राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 267 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 30 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

झारखंड के देवघर में पसरा मातम का अंधेरा...

बस और ट्रक के बीच हुई भीषण टक्कर में 18 कांवड़ियों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

झारखंड के देवघर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में गोड्डा-देवघर मुख्य मार्ग पर मंगलवार, 29 जुलाई की सुबह एक बस और ट्रक के बीच हुई भीषण टक्कर में कम से कम 18 कांवड़ियों (तीर्थयात्रियों) की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया कि झारखंड के देवघर जिले में मंगलवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में कम से कम 18 कांवड़ियों की मौत हो गई। साथ ही, कई अन्य लोगों के घायल होने की भी खबर है। दुबे ने एक पोस्ट में कहा, मेरे लोकसभा क्षेत्र देवघर में श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान बस और ट्रक की टक्कर में 18 श्रद्धालुओं की जान चली गई। बाबा बैद्यनाथ जी उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हालांकि, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सड़क दुर्घटना में पाँच कांवड़ियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों की हालत गंभीर होने के कारण हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। इस बीच, यातायात पुलिस उपाधीक्षक लक्ष्मण प्रसाद ने बताया कि दुर्घटना में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है और घायलों को अस्पताल भेजा जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास तड़के करीब साढ़े चार बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक वाहन से टकरा गई। दुमका क्षेत्र के

पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '''देवघर के मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास कांवड़ियों से भरी 32 सीट वाली बस और गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। हालांकि, यातायात पुलिस उपाधीक्षक लक्ष्मण प्रसाद ने कहा कि दुर्घटना में कम से कम नौ लोगों की मौत हुई है और घायलों को अस्पताल भेजा जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर होने के कारण हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन को सूचित कर दिया गया है और घायलों को पास के अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचाया जा रहा है। मेरे लोकसभा के देवघर में श्रावण मास में कांवर यात्रा के दौरान बस और ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण 18 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है । बाबा बैद्यनाथ जी उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करेंघर जिले के एक हाईवे पर सुबह के समय हुआ जब कांवड़ियों से भरी बस भगवान शिव के दर्शन को जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस तेज गति से आ रही थी, और सामने से एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। 18 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे में घायल हुए 20 से अधिक लोग स्थानीय अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें कुछ को रेफर भी किया गया है। वही स्थानीय प्रशासन और एंबुलेंस सेवाएं मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया गया।

पाकिस्तानी गोलाबारी में अनाथ हुए 22 बच्चों को गोद लेंगे राहुल गांधी

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी गोलाबारी में अपनों को खोने वाले 22 बच्चों की शिक्षा का जिम्मा लेंगे। यह जानकारी जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हामिद कर्रा ने दी है। उन्होंने बताया कि राहुल ने पुंछ के उन 22 बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने का फैसला किया है, जिन्होंने पाकिस्तानी गोलाबारी में अपने अभिभावक या परिवार के एकमात्र कमाने वाले को खो दिया है। सूत्रों ने कर्रा के हवाले से बताया कि बच्चों के लिए सहायता की पहली किस्त बुधवार को जारी होगी ताकि बच्चे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए राहुल की यह सहायता इनके स्नातक होने तक जारी रहेगी। राहुल ने मई में पुंछ दौरे के दौरान स्थानीय नेताओं से ऐसे बच्चों की सूची तैयार करने को कहा था। पार्टी नेताओं ने सर्वेक्षण और सरकारी रिकॉर्ड की जांच के बाद बच्चों के नाम तय किए हैं। भारत-पाकिस्तान तनाव के समय जम्मू-कश्मीर का पुंछ शहर सीमा पार गोलाबारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था।

संसद में बोले अमित शाह

पहलगाम में निर्दोष नागिरकों की हत्या करने वाले आतंकी मारे गए

नई दिल्ली। एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले तीन आतंकवादी 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मारे जा चुके हैं। उन्होंने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह जानकारी दी। शाह ने कहा, ''मैं सदन के माध्यम से, कल हुए 'ऑपरेशन महादेव' की जानकारी पूरे देश को देना चाहता हूं। कल 'ऑपरेशन महादेव' में सुलेमान, अफ्गान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादीज्सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए। उन्होंने बताया, ''सुलेमान, लश्कर-ए-तैयबा का ए श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर आतंकी हमले में वह लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफ्गान और जिब्रान भी ए श्रेणी के आतंकवादी थे। गृह मंत्री ने कहा, ''जिन्होंने पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे निर्दोष नागरिकों को मारा था, उनमें ये तीनों आतंकवादी शामिल थे और कल तीनों ही मारे गए। मैं सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर

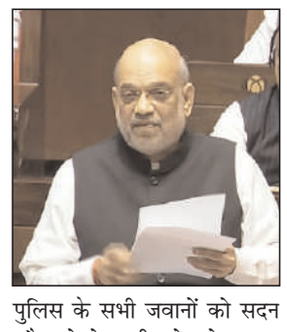

पुलिस के सभी जवानों को सदन और पूरे देश की ओर से बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं। गृह मंत्री के अनुसार, बीते 22 अप्रैल को दिन में एक बजे पहलगाम की बैसरन घाटी में हमला हुआ था और वह शाम 5.30 बजे श्रीनगर पहुंच गए थे तथा 23 अप्रैल को एक सुरक्षा बैठक की गई और इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई कि नृशंस हत्या करने वाले हत्यारे देश छोड़कर भागने न पाएं। उन्होंने बताया कि पूरी छानबीन के बाद यह पुष्टि की गई कि इन तीनों आतंकवादियों ने ही 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 निर्दोष लोगों की जान ली थी। गृह मंत्री ने कहा, ''आज मैं सदन को यह बताते हुए बहुत खुश हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों के आकाओं को जमीन में मिलाने का काम किया था और सेना एवं सीआरपीएफ ने उन आतंकवादियों को भी समाप्त कर दिया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''मुझे अपेक्षा थी कि जब ये (विपक्ष) पहलगाम हमले के आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सुनेंगे तो खुश होंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि ये (विपक्ष) इससे खुश नहीं हैं। यह किस तरह की राजनीति है? शाह ने इस बात पर जोर दिया, ''ये हमारे देश की सेना, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस, तीनों की साझा तौर पर बहुत बड़ी कामयाबी है। हमें इस पर गर्व होना चाहिए।'' उन्होंने कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम के एक बयान का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि चिदंबरम ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दी है। गृह मंत्री ने कहा, ''मैं आज चिदंबरम जी को आपके (आसन के) माध्यम से कहना चाहता हूं और हमारे पास सबूत हैं कि वे तीनों पाकिस्तानी थे। तीन में से दो के पाकिस्तानी वोटर नंबर भी हमारे पास उपलब्ध हैं। राइफ्लें भी हैं, उनके पास से जो चॉकलेट मिली है, वह भी पाकिस्तान में बनी है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''ये कहते हैं कि वे (आतंकवादी) पाकिस्तानी नहीं थे।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र प्रकरण: 21 अधिकारी कर्मचारी अभी भी जांच में अनुपस्थित

प्रशासन सख्त, अनुपस्थिति पर आवश्यक कार्रवाई के लिए लिखा गया पत्र

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ एवं अन्य स्रोतों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र के माध्यम से शासकीय सेवा में कार्यरत 27 अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध जांच की प्रक्रिया जारी है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के द्वारा इस मामले पर पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता से जांच की कार्रवाई की जा रही है और इस दिशा में विधिसंगत प्रयास किए जा रहे हैं। प्रभावी एवं निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए दिव्यांग सेवा संघ से भी बैठक एवं चर्चाएं की जा रही हैं।

अपर कलेक्टर जी.एल. यादव ने बताया कि सभी 27 अधिकारी- कर्मचारियों को संभागीय/राज्य मेडिकल बोर्ड से पुन: चिकित्सकीय परीक्षण (भेषज जांच) कराने के निर्देश दिए गए थे। अब तक 04 अधिकारियों-कर्मचारियों ने जांच प्रक्रिया पूरी कर ली है, जबकि 02 का स्थानांतरण अन्य जिलों में हो चुका है। वहीं 20 कर्मचारियों ने माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर में याचिका प्रस्तुत की है।

इन सभी को दिनांक 18 जुलाई 2025 को डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर में भेषज जांच हेतु उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कोई भी अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हुए।

जांच में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक विभागीय कार्रवाई हेतु संबंधित संचालकों एवं आयुक्तों को पत्र प्रेषित कर दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा पूरी तत्परता से प्राप्त शिकायतों के आधार पर मामले की जांच जारी है तथा नियमानुसार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जवाहर उत्कर्ष विद्यालय प्रवेश परीक्षा में रोहन पाटले का चयन, शाला परिवार में हर्ष की लहर

मुंगेली(समय दर्शन) पंडित जवाहरलाल नेहरू उत्कर्ष योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए आयोजित कक्षा 6वीं की प्रवेश चयन परीक्षा के परिणाम हाल ही में घोषित किए गए, जिसमें शासकीय प्राथमिक शाला अमलडीहा के छात्र रोहन पाटले ने सफलता अर्जित कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

पथरिया विकासखंड के संकुल केंद्र मुंडादेवरी अंतर्गत आने वाले इस विद्यालय के छात्र रोहन की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर शाला के प्रधान पाठक रमेश कुमार राजपूत, वरिष्ठ शिक्षक रुपेन्द्र जोल्हे एवं केशव पांडेय ने संयुक्त रूप से छात्र एवं पालकों का सम्मान करते हुए प्रेरक शब्दों में आशीर्वाद प्रदान किया।प्रधान पाठक राजपूत ने जानकारी दी कि इससे पूर्व भी विद्यालय के अनेक छात्र-छात्राएं राज्य व राष्ट्रीय स्तर की चयन परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर चुके हैं। इनमें आदिति पाटले (जवाहर उत्कर्ष), हेमंत निषाद, मुरली सोनवानी, अंकित पाटले, गीतेश वर्मा (जवाहर नवोदय विद्यालय) तथा भूपेन्द्र मरावी (एकलव्य विद्यालय) जैसे नाम शामिल हैं।विद्यालय में समय-समय पर अनुभवी शिक्षकों द्वारा छात्रों को कैरियर मार्गदर्शन दिया जाता है, जिसके चलते पूर्व विद्यार्थी आज व्यापम, राज्य सेवा आयोग, नीट, रेलवे, एवं अन्य विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं। विद्यालय परिवार को आशा है कि आने वाले समय में इन छात्रों के उत्कृष्ट परिणाम भी सामने आएँगे।रोहन पाटले की इस उपलब्धि पर समस्त शाला परिवार, शिक्षकगण, अभिभावक एवं ग्रामवासियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

श्रीराम जानकी मंदिर बसना मे सरस संगीतमय श्री राम कथा का भव्य कथा प्रवाह

बसना(समय दर्शन)। बसना नगर के हृदय स्थल श्री राम जानकी मंदिर बसना मे विगत 26जुलाई 2025 से 03अगस्त 2025तक नौ दिवसीय सरस संगीतमय श्री राम कथा का भव्य आयोजन श्री राम जानकी मंदिर समिति बसना तथा नगरवासियों एवं क्षेत्र के श्रद्धालु भक्त वृन्द जनों एवं श्रीराम जानकी मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ.सम्पत अग्रवाल एवं सभासदों के सानिध्य मे इस पुनीत व दिव्य कथा का आयोजन बसना की पावन धरा मे प्रवाहित हो रहा है ।

इस कथा के कथाव्यास प्रयागराज पीठाधीश्वर श्रीमद्जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी श्री धर्माचार्य जी महाराज श्री बैकुण्ठ धाम आश्रम आलोपीबाग प्रयागराज जी अपने श्री मुख से श्री राम कथा का दिव्य कथा अमृत का रसपान कराते हुए आज चतुर्थ दिवस के कथा प्रवाह मे श्री राम लक्ष्मण अपने गुरू विश्वामित्र के सानिध्य में जनकपुरी आगमन ,एवं नगर भ्रमण ,पुष्प वाटिका में श्रीराम जी एवं सीता जी का एक दूसरे का प्रथम दर्शन पश्चात सीता जी के सखियों का राम जी के रूप सौन्दर्य का वर्णन,,सीता जी द्वारा राम जी को प्रथम दर्शन पश्चात मन प्राण से ,,गौरी मैया से वर मांगती है कि,हे गौरी मैया, इस दिव्य राजकुमार को मेरे जीवन साथी बना दो ।

सीता जी के स्वयंवर के दिन जब देश विदेश के राजा महाराजा किसी ने शिव धनुष को तनिक हिला भी नहीं पाये,फिर गुरू विश्वामित्र ने श्री राम को धनुष भंग करने की आज्ञा दी। राम जी ने खेल ही खेल मे शिव धनुष उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाने के साथ धनुष तोड़ दिया । सभी तरफराम जी जय जय कार व पुष्प वर्षा होने लगी।

श्रद्धालु जनों को कथा प्रवाह की मार्मिकता ने स्वयं स्वयंवर देख रहे हों जैसा अनुभूति के आनंद से अभिभूत हुए।

नटवरलाल ताम्रकार के नेतृत्व में विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा:-बोल बम समिति अहिवारा के संयोजक नटवरलाल ताम्रकार के नेतृत्व में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 27 जुलाई को विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया इस भव्य कांवड़ यात्रा सुबह 6:00 बजे ग्राम त्रिवेणी संगम सगनी से शुरू कर पैदल अहिवारा के ऐतिहासिक शीतला मंदिर पहुंची जहां कांवरियों ने शिव का जलाभिषेक किया संयोजक नटवरलाल ताम्रकार ने अपनी वाणी से शिवजी पर प्रकाश डाला की श्रावण मास की भक्ति तप और शिव आराधना की पुण्य धारा में हर हर महादेव और बोल बम की जय घोष से आज अहिवारा गुंजायमान हुआ शिव जलाभिषेक करने के संकल्प से नंदिनी अहिवारा की सुख शांति और समृद्धि की कामना की संकल्प केवल व्यक्तिगत आस्था नहीं बल्कि जन-जन के कल्याण की भावना से ओत-प्रोत है उन्होंने कहा सनातन धर्म की भावना वसुधैव कुटुम्बकम की है जहां व्यक्ति स्वयं के लिए नहीं समाज के लिए साधना करता है यह यात्रा इस भाव की झलक है हर गांव हर शहर में बोल बम की गूंज है यह सावन का महीना हमारे सनातन धर्म की भक्ति और सेवा परंपरा का प्रतीक है जो आत्मिक शुद्धि सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक उन्नयन दे रहा है छत्तीसगढ़ की संस्कृति सभी की आत्मा में कावड़ यात्रा सदियों से सम्माहित रही है इस यात्रा में भक्ति के साथ-साथ अनुशासन एकता और त्याग का संगम होता है सनातन संस्कृति में श्रावण मास को सबसे पवित्र माना जाता है और इस मास में की गई कावड़ यात्रा शिव जी की प्राप्ति का श्रेष्ठ माध्यम माना जाता है नगर के सभी धर्म के लोगों ने मिलजुल कर कांवरियों का आत्मियता के साथ स्वागत किया एवं सभी धर्म के लोगों ने जलपान की व्यवस्था भी सुचारू रूप से की पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नटवर ताम्रकार ने नगर के लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी जय महाकाल,

सोसायटी में नगदी एवं उधारी में सभी प्रकार के मिल रही दवाइयां

बिर्रा (समय दर्शन)। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित किकिरदा पंजीयन क्रमांक 1051 में कृषि कार्य से संबंधित अर्थात खेती बाड़ी से जुड़े सभी प्रकार की दवाइयां इफ्को कंपनी से भंडारीत किया गया है। जिसको नगदी और उधारी लेनदेन दोनों में किसानों को सोसाइटी में कर्मचारियों के द्वारा प्रत्येक दिवस दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि नवीन जिला सक्ती के जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित किकिरदा पंजीयन क्रमांक 1051 के समिति कार्यालय में इस वर्ष क्षेत्र के किसानों के सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए समिति के कर्मचारियों के द्वारा इफ्को कंपनी का खेती किसानी से संबंधित सभी प्रकार के दवाइयां और खाद बीज आदि का भंडारण किया

गया है। जिसको किसानों के सुविधा अनुसार नगदी और उधारी दोनों तरीका से दिया जा रहा है। इस संबंध में सेवा सहकारी समिति मर्यादित किकिरदा के समिति प्रबंधक कुशत राम चंद्रा ने बताया कि समिति कार्यालय किकिरदा में प्रत्येक दिवस किसने की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष कृषि कार्य से संबंधित सभी प्रकार के दवाइयां खाद और बीज का भंडारण किया जा चुका है। सभी किसानों को दवाइयां और खाद और बीज नगदी के अलावा उधारी में भी सभी प्रकार के दवाइयां और खाद दिया जा रहा है। दवाइयां इस वर्ष इफ्को कंपनी का भंडारण किया गया है। जिसका मार्केट रेट से बिल्कुल कम दामों में किसानों को दिया जा रहा है। अगर किसान पूरी पूरी उधारी लेना चाहता है तो भी हमारे समिति के माध्यम से पूरा दवाइयां उधारी में भी दिया जा रहा है। जिसका किकिरदा , कटही और करही की अतिरिक्त देवरीमठ और बसंतपुर के किसान बंधु भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

दिव्यांग बच्चों के लिए बीआरसी पथरिया में आयोजित हुआ विकासखंड स्तरीय उपकरण वितरण मेगा शिविर

मुंगेली(समय दर्शन) बीआरसी पथरिया में विकासखंड स्तरीय विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए उपकरण वितरण हेतु मेगा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रतिभा मंडलोई एवं ग्राम पंचायत जुनवानी की सरपंच वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।शिविर में प्रतिभा मंडलोई ने दिव्यांग बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि वे स्वयं को कभी कमजोर न समझें। समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर ये बच्चे हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा आप सभी में असीम संभावनाएं हैं, जरूरत है आत्मविश्वास और सहयोग की। हम सभी आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, कीट एवं अन्य आवश्यक सामग्री दिव्यांग बच्चों को वितरित की गई।इसके अतिरिक्त एक पेड़ मां के नाम३ अभियान के अंतर्गत प्रतिभा मंडलोई एवं दिव्यांग बच्चों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण एवं संवेदनात्मक जुड़ाव का प्रतीक रहा।कार्यक्रम में बीआरसी पथरिया के अशोक यादव, नारायणी कश्यप, विकास जायसवाल, धर्मपाल, कुंज बिहारी, हेमलाल साहू एवं धीर जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ग्राम व क्षेत्र की खुशहाली के लिए आज़ विशेष हवन पूजन

(दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर डभराखुर्द में होता है नागपंचमी पर भगवान त्यौहार)

बिर्रा (समय दर्शन)। दक्षिणमुखी हनुमान जी की पावनधरा डभराखुर्द (बिर्रा) में श्रावण मास शुक्ल पक्ष पंचमी नागपंचमी पर्व पर हर साल की तरह गांव व क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना हेतु हनुमान जी में विशेष यज्ञ हवन पूजन भगवान त्यौहार मनाया जाता है जिसका आज़ विधिवत पूजन आचार्य पं जितेन्द्र तिवारी द्वारा कराया जाएगा। हनुमान जी में सिंदूराभिषेक कर भोग स्वरूप नारियल और रोट प्रसाद का नैवेद्य अर्पित किया जाएगा तथा रामायण का पठन किया जाएगा। गौरतलब है कि पूरे गांव के लोग इस दिन काम काज बंद कर हनुमान जी की पूजा-अर्चना में शामिल होते हैं। मंगलवार होने के कारण हनुमान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।आयोजन को लेकर पुजारी पुरूषोत्तम दास वैष्णव, नरोत्तम दास वैष्णव, अंकूर वैष्णव, सहयोगी रघुनाथ दास वैष्णव, खगेश्वर वैष्णव,शत्रुघन पटेल, शिवनाथ पटेल, जैतराम पटेल, लखनलाल चंद्रा, रामकृपाल पटेल, रूपनारायण,टीभू चंद्रा, सुदामा प्रसाद चंद्रा, सुरेश कुमार,साखीराम पटेल,भोजराम, गंगाराम,मनहरण पटेल, रमेश कुमार पटेल सहित समस्त ग्रामवासी जुटे हुए हैं।

मुख्यमंत्री की घोषणा अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा

जर्जरभवनों में स्कूल, आँगनबाड़ी,हास्टल संचालन नहीं करने निर्देश

- **महासमुन्द कलेक्टोरेट मे समय सीमा की बैठक**

महासमुंद (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय लंगेह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में जिले के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, अपर कलेक्टर रवि साहू, रविराज ठाकुर, सभी विभाग के जिला अधिकारी सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वीसी के माध्यम से जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के प्रतिनिधि, सीएमओ सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं के अनुरूप स्वीकृत कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रवास के दौरान किए गए घोषणाओं को प्राथमिकता से क्रियान्वित करें। सरायपाली, खल्लारी में किए गए घोषणाओं की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति का मॉनिटरिंग अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। अत: सभी विभाग अपने प्रत्येक माह की उपलब्धियों की जानकारी पोर्टल में अपलोड करना सुनिश्चित करें। साथ ही उच्च कार्यालय का भेजना भी सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने बैठक में प्रधानमंत्री जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बहुद्देशीय केंद्र, आयुष्मान कार्ड वितरण सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से तालमेल के साथ कार्य करने कहा। प्रधानमंत्री आवासों की समीक्षा की और निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में निर्माण कार्य बाधित न हो, हर

हितग्राही को समय पर लाभ मिले।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक पेड़ मां के नाम अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभागों को पोर्टल में एंट्री सुनिश्चित करने को कहा। वहीं मोर गांव मोर पानी अभियान के अंतर्गत गांवों में पेयजल स्रोतों की सफाई, खुले में गंदगी की रोकथाम और स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जनभागीदारी से बनाए जा रहे सोख्ता गड्ढा एवं इंजेक्शन वेल की जानकारी ली। जिले में अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना की आवासों में 8265 एवं अन्य स्थानों पर 5 हजार सोख्ता गड्ढे बनाए गए है। जबकि बंद पड़े बोर के जल संरक्षण के लिए 178 इंजेक्शन वेल का निर्माण किया गया है।

कलेक्टर ने इस अभियान को निरंतर चलाने के निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान जर्जर भवनों में स्कूल, आंगनवाड़ी अथवा हॉस्टल संचालन नहीं करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक तौर पर ऐसे भवनों को छोड़कर सामुदायिक या अन्य शासकीय भवनों में संचालन किया जाए। साथ ही जर्जर भवनों के डिस्मेंटल करने की कार्रवाई किया जाए।

छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती समारोह की तैयारी को लेकर निर्देश जारी करते हुए कहा कि सभी विभाग निर्देशानुसार विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें और शीघ्र प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि 16 अगस्त से 31 मार्च तक रजत जयंती समारोह के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। जिसमें राज्य स्थापना के पश्चात विकास और उपलब्धियों की सफर को रेखांकित जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

सड़कों पर आवारा मवेशियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने नगरीय निकाय और जनपद सीईओ की नामजद ड्यूटी लगाने के निर्देश देते हुए कहा कि निरंतर अभियान चलाकर इस पर सख्ती से नियंत्रण किया जाए।

उन्होंने खाद की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा कि खाद भंडारण और वितरण की निरंतर समीक्षा करते हुए सोसायटियों में भंडारित खादों को किसानों को वितरण सुनिश्चित किया जाए। निजी संस्थानों में ओवर स्टॉक होने पर कार्रवाई करें। उन्होंने अवैध शराब निर्माण एवं विक्रय की शिकायतों पर निरंतर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में राजस्व प्रकरणों और समय-सीमा पत्रकों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जनता से जुड़े प्रकरणों को समय पर और प्राथमिकता से हल किया जाए। साथ ही सभी कार्यालयों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत फाइल मूव करने और प्रशासनिक प्रक्रिया को डिजिटल रूप से मजबूत करने के निर्देश भी दिए।

छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

छत्तीसगढ़ में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है— मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की कार्यकारिणी बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर वर्ष 2025-26 के वार्षिक बजट का अनुमोदन किया गया। साथ ही, मुख्यमंत्री श्री साय ने स्टेडियम परिसर में संघ के अध्यक्ष के नवीन कार्यालय कक्ष का विधिवत उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खिलाड़ियों के प्रोत्साहन हेतु हमारी सरकार ने खेल अलंकरण समारोहों का पुन: शुभारंभ किया है। उन्होंने यह भी बताया कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया शीघ्र ही पूर्ण की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह आश्वासन दिया कि संघ के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खेलों के विकास के लिए वृहद स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेताओं को ?3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को ?2 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेताओं को ?1 करोड़ की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, ओलंपिक खेलों में केवल प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी बताया कि वे स्वयं राज्य तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष हैं और बचपन से उन्हें तीरंदाजी का शौक रहा है। उन्होंने कहा कि जशपुर में एनटीपीसी के सहयोग से तीरंदाजी अकादमी का निर्माण किया जा रहा है, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ एक उद्योग प्रधान और खनिज संसाधनों से भरपूर राज्य है। सरकार का प्रयास रहेगा कि सीएसआर मद के माध्यम से खेलों के लिए आधारभूत ढांचे का विकास किया जाए।

बैठक को संबोधित करते हुए खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन मं वर्षों से बंद खेल अलंकरण समारोह पुन: आरंभ किए गए हैं। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची भी घोषित की जाएगी। श्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित प्रशिक्षण और अवसर देने की है।

उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ युवा रत्न पुरस्कार की भी घोषणा की गई है, जिसके अंतर्गत खेल, कला, संगीत, साहित्य, उद्योग, व्यापार आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'खेलो इंडिया' योजना के तहत प्रत्येक जिले में खेलों को बढ़ावा देने के कार्य किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस आयोजन की प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में भी प्रशंसा की है।

इस अवसर पर सांसद एवं ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष विजय बघेल ने भी बैठक को संबोधित किया और प्रदेश में खेलों के विस्तार के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए संगठनात्मक सुदृढ़ता और संसाधनों की उपलब्धता पर बल दिया।

संक्षिप्त समाचार

छग में फास्ट मेमू-डेमू ट्रेन सेवा की मांग, बृजमोहन ने लिखा रेल मंत्री को पत्र

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के यात्रियों की सुविधा के लिए फास्ट मेमू/डेमू लोकल ट्रेन सेवा प्रारंभ करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य इस वर्ष अपनी स्थापना की 25वीं वर्षगांठ रजत जयंती वर्ष के रूप में मना रहा है। राज्य निर्माण के बाद और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रेल सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। रेल मंत्री वैष्णव के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ का रेल बजट कई गुना बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में तीसरी व चौथी रेल लाइन का निर्माण, अमृत भारत योजना के तहत स्टेशनों का पुनर्विकास, और अन्य अधोसंरचनात्मक कार्य युद्ध स्तर पर हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश से गुजरने वाली मेल, एक्सप्रेस, सुपरफास्ट, राजधानी, वंदे भारत, हमसफर व दुरंतो जैसी ट्रेनों से छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी मजबूत हुई है, जिसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को जाता है। हालांकि, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस तथ्य पर चिंता जताई कि छत्तीसगढ़ प्रांत में अब तक एक भी फास्ट मेमू/डेमू लोकल ट्रेन की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिससे आम यात्रियों को सुविधा मिल सके। इसीलिए उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए रजत जयंती वर्ष के अवसर पर रायपुर से रायगढ़ (243 किमी) और बिलासपुर से डोंगरगढ़ (209 किमी) पर फास्ट मेमू/डेमू लोकल ट्रेन सेवा प्रारंभ करने का अनुरोध किया है। अग्रवाल ने विश्वास जताया कि रेल मंत्री इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेंगे और शीघ्र ही इन रूटों पर लोकल ट्रेन सेवाएं प्रारंभ होंगी, जिससे प्रदेश के यात्रियों को सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने दी नागपंचमी की शुभकामनाएं

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को नागपंचमी (29 जुलाई) के पावन अवसर पर शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी सनातन संस्कृति की गहराई, लोक आस्था की ऊर्जा और प्रकृति के साथ समरसता का जीवंत प्रतीक है। यह हमारे

पूर्वजों द्वारा रचित वह परंपरा है, जो जीव-जगत के साथ सम्मानपूर्ण सह-अस्तित्व का संदेश देती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नागपंचमी का पर्व पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता के प्रति हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस पर्व के माध्यम से न केवल सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजें, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक सौहार्द को जीवन में अपनाएँ।

शालाओं के 115 शिक्षकों को पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

खेलकूद सहित बच्चों के सर्वांगीण विकास पर बल

रायपुर (समय दर्शन)। शिक्षकों के माध्यम से स्कूली बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए रायगढ़ जिले के सात विकासखंडों के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के 115 शिक्षकों को पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के तत्वावधान में माण देसी ट्रैवल चैंपियन द्वारा यह प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, गोला फेक, भाला फेक, लम्बी कूद, ऊंची कूद आदि खेलों की तकनीक का प्रशिक्षण, मांसपेशियों को मजबूत करने के व्यायाम, नींद और संतुलित पोषण के प्रति जागरूकता, खेलों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, स्वस्थ जीवनशैली, जीवन कौशल, संवाद कौशल और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम न केवल शिक्षकों के स्वास्थ्य और खेल शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में कारगर साबित हुआ, बल्कि इससे वे अपने विद्यालयों में बच्चों को एक जागरूक, स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने की दिशा में और अधिक सक्षम बन सकेंगे। प्रशिक्षण का सैद्धांतिक सत्र सृजन सभाकक्ष रायगढ़ में और प्रायोगिक सत्र स्टेडियम बोइरदादर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की रूपरेखा जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.वी.राव, डीएमसी नरेंद्र चौधरी तथा कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी एवं एपीसी भुवनेश्वर पटेल के नेतृत्व में तैयार की गई।

टेक्नोलॉजी-ड्रिवन आईवियर कंपनी लेंसकार्ट लेकर आ रहा 2150 करोड़ रूपये का आईपीओ

लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड भारत की अग्रणी ओमनी-चैनल आईवियर रिटेलर, जिसने किफायती और फैशनेबल प्रिस्क्रिप्शन चश्मे, धूप के चश्मे और कॉन्टैक्ट लेंस की एक विस्तृत श्रृंखला पेश की है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर दिया है। यह ऑफर 21,500 मिलियन (2150 करोड़) के नए इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और कुछ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 132,288,941 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल करता है। ओएफएस में बेचने वाले शेयरधारकों में प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स जैसे पीयूष बंसल, नेहा बंसल, अमित चौधरी और सुमीत कपही शामिल हैं, साथ ही इन्वेस्टर सेलिंग शेयरहोल्डर्स जैसे SVF II लाइटबल्ब (केमैन) लिमिटेड, श्रोडर्स कैपिटल प्राइवेट इक्विटी एशिया मॉरीशस लिमिटेड, पीआई ऑपर्चुनिटीज फंड – II, मैक्रिटची इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, केदारा कैपिटल फंड II एलएलपी, और अल्फा वेव वेंचर्स एलपी भी शामिल हैं। कंपनी डीआरएचपी फाइल करने से पहले 430 करोड़ तक का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट कर सकती है। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह फ्रेश इश्यू के आकार से कम हो जाएगा। कंपनी आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग विभिन्न रणनीतिक पहलों के लिए करने का प्रस्ताव करती है, जिसमें भारत में नए कंपनी-संचालित कंपनी-स्वामित्व वाले (CoCo) स्टोर स्थापित करने के लिए पूंजीगत व्यय (कैपेक्स); इन CoCo स्टोर्स के लिए लीज, किराए और लाइसेंस समझौतों से संबंधित भुगतान; प्रौद्योगिकी और क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश; ब्रांड जागरूकता बढ़ाने के लिए ब्रांड मार्केटिंग और व्यवसाय प्रचार; संभावित अज्ञात अकार्बनिक अधिग्रहण (इनऑर्गेनिक एक्विजिशन); और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य शामिल हैं। 2008 में स्थापित, लेंसकार्ट ने 2010 में भारत में एक ऑनलाइन व्यवसाय के रूप में परिचालन शुरू किया और 2013 में नई दिल्ली में अपना पहला रिटेल स्टोर खोला।

सीएम साय ने किया 'गौ विज्ञान परीक्षा अभियान 2025' का शुभारंभ

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा आयोजित 'गौ विज्ञान परीक्षा अभियान 2025' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अभियान के पोस्टर का अनावरण किया और समिति के सदस्यों को इस पुण्य कार्य के लिए शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो न केवल आध्यात्मिक लाभ प्रदान करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष समिति द्वारा चलाए जा रहे अभियान में गौसेवा के साथ-साथ घर-घर किचन गार्डन निर्माण पर विशेष बल दिया जा रहा है, जो जनस्वास्थ्य सुधार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इस अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध राठी ने मुख्यमंत्री को अभियान की रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा आगामी 4 नवम्बर 2025 को प्रदेशभर में गौ विज्ञान परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा का उद्देश्य जनसामान्य में गौवंश के महत्व, पारिस्थितिक तंत्र में उसकी भूमिका, ग्लोबल वार्मिंग की रोकथाम में योगदान तथा पंचगव्य के वैज्ञानिक पक्षों के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना है।

राठी ने बताया कि यह परीक्षा माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक एवं महाविद्यालय—इन तीन श्रेणियों में आयोजित की जाएगी। प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ?51,000 नगद, द्वितीय स्थान हेतु ?31,000 तथा तृतीय स्थान हेतु ?21,000 नगद पुरस्कार एवं गौमय उत्पादों का किट प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार जिला स्तरीय परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमश: ?3,100, ?2,100 एवं ?1,100 नगद पुरस्कार के साथ गौ उत्पाद किट प्रदान किए जाएँगे। परीक्षा में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को गौ विज्ञान ग्रंथ एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी अपनी संस्था के प्राचार्य अथवा गौ विज्ञान प्रभारी से संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष इस परीक्षा में प्रदेशभर से एक लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इस वर्ष समिति ने एक लाख से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस अवसर पर प्रांत संयोजक अन्ना सफरे, प्रांत उप प्रमुख मनोज पांडेय, गौ ग्रंथ संपादक डॉ. अमित पांडेय सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

लीज़ ख़त्म होने के बाद भी 5 एकड़ जमीन पर था चर्च ट्रस्ट का कब्जा, सरकार ने वापस ली...

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की राजधानी में अरबों की बेशकीमती जमीन को लेकर शासन ने बड़ा कदम उठाया है। राजभवन और आकाशवाणी मंदिर के सामने स्थित पांच एकड़ से ज्यादा जमीन, जो अब तक यूनाइटेड चर्च ऑफनॉर्थ इंडिया ट्रस्ट (CNI) के कब्जे में थी, अब सरकारी नियंत्रण में वापस आ गई है।

100 साल पुरानी लीज खत्म, कब्जा नहीं छोड़ा- यह जमीन साल 1922 में चर्च ट्रस्ट को 100 साल के लीज एग्रीमेंट पर दी गई थी, जिसकी मियाद 2022 में खत्म हो चुकी थी। लीज खत्म होने के बावजूद ट्रस्ट ने जमीन खाली नहीं की थी और कमर्शियल गतिविधियों के जरिये आय अर्जित कर रहा था। इसको लेकर हिंदू स्वाभिमान संगठन ने राजस्व न्यायालय में याचिका दायर की थी।

कोर्ट का आदेश, प्रशासन की त्वरित कार्रवाई-लंबी सुनवाई के बाद राजस्व न्यायालय ने CNI ट्रस्ट को जमीन खाली करने का आदेश दिया और जिला प्रशासन को

जमीन अधिग्रहण के निर्देश दिए। आदेश के कुछ दिनों बाद ही रायपुर जिला प्रशासन ने गॉस मेमोरियल ग्राउंड सहित पूरी जमीन को अपने कब्जे में ले लिया।

सिविल लाइन में 35 एकड़ से अधिक चर्च लीज भूमि- जानकारी के अनुसार, रायपुर की सिविल लाइन क्षेत्र में लगभग 35 एकड़ जमीन अलग-अलग चर्च ट्रस्टों को लीज पर दी गई थी, जिनमें से अधिकतर की लीज अब समाप्त हो चुकी है। फिर भी कई जगह ट्रस्ट अब भी काबिज है और निजी लाभ के लिए उपयोग कर रहा है।

खेल और सार्वजनिक उपयोग में लाई जाएगी जमीन- रायपुर कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि खाली कराई गई जमीन को संरक्षित कर वहां खेलकूद और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं के लिए उपयोग में लाया जाएगा। अब यह भूमि खेल मैदान और सार्वजनिक पार्क के रूप में तैयार की जाएगी ताकि आम नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिले।

हिंदू संगठनों की मांग: बाकी जमीनें भी कब्जा मुक्त हों- हिंदू स्वाभिमान संगठन ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि यह एक जरूरी और साहसी कदम है। संगठन ने यह भी मांग की है कि जिन अन्य चर्च ट्रस्टों ने सरकारी लीज पर मिली जमीनों को बेचा या निजी उपयोग में लिया है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और बची हुई लीज को रद्द कर जमीनें सार्वजनिक उपयोग में लाई जाएं।

छत्तीसगढ़ को मिलेगा SCR, 6 महीने की मेहनत से तैयार हुआ राज्य का सबसे बड़ा बिल

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की राजधानी अब देश के चुनिंदा शहरों की कतार में शामिल होने जा रही है। राज्य सरकार ने स्टेट कैपिटल रीजन (स्ष्ट्रक) के गठन का रास्ता साफ कर दिया है। मानसून सत्र में पेश राज्य का अब तक का सबसे बड़ा बिल, 56 क्लॉज के साथ विधानसभा में पास हो गया है। रायपुर समेत पांच जिलों को मिलाकर नया स्ष्टक्र तैयार किया जाएगा, जिसका मकसद राजधानी क्षेत्र का समन्वित और तेज़ विकास सुनिश्चित करना है।

छह महीने की तैयारी, सीएम-वित्तमंत्री की मंजूरी के बाद मंजूर- इस विधेयक को तैयार करने में आवास पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, एनआरडीए के पूर्व-प्रस्तुत अधिकारी सौरभ कुमार और वर्तमान सीईओ चंदन कुमार ने लगातार छह से सात महीने तक काम किया। कई दौर की प्रेजेंटेशन के बाद आवास मंत्री ओपी चौधरी और फिर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंजूरी के बाद इसे विधानसभा में प्रस्तुत किया गया।

एनआरडीए से अलग होगा SCR- नवा रायपुर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) सिर्फ नवा रायपुर क्षेत्र में काम कर सकता है। लेकिन जब मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट को दुर्ग-राजनांदगांव तक ले जाने की बात आई, तब स्ष्टक्र का प्रस्ताव सामने आया। स्ष्टक्र अब एक बड़ा विकासात्मक निकाय बनेगा, जो राजधानी क्षेत्र के विस्तृत जिलों तक काम कर सकेगा।

किन जिलों को किया जाएगा शामिल?- हालांकि, स्ष्टक्र में शामिल जिलों की आधिकारिक सूची अब तक जारी नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, महासमुंद (आरंग क्षेत्र), और धमतरी (कुरूद क्षेत्र) को इसमें जगह मिल सकती है। यह सभी इलाके भौगोलिक और विकास की दृष्टि से नवा रायपुर से जुड़ते हैं।

नोटिफिक्रेशन और रूल्स जल्द- SCR का नोटिफिक्रेशन अभी जारी नहीं हुआ है, लेकिन इसके बाद नियम (ऋद्यद्दह्य) बनाए जाएंगे। तब तक सभी कार्य टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के नियमों के तहत ही होंगे। रूल्स लागू होते ही स्ष्टक्र को स्वतंत्र अधिकार मिल जाएंगे।

बनेगा इकोनॉमिक मास्टर प्लान- बिल पास होने के बाद SCR के लिए इकोनॉमिक मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। इसके तहत क्षेत्र में मेट्रो, नई सड़कें, रिंग रोड, इंडस्ट्रियल जोन, एजुकेशन हब और कनेक्टिविटी नेटवर्क विकसित किए जाएंगे। योजना के लिए एजेंसियां नियुक्त की जाएंगी और भारत सरकार से भी सहयोग लिया जाएगा।

टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में रविवार को विशेष प्रचवनमाला में युवा मनीषी मनीष सागर महाराज ने कहा कि अपने इगो को हटाना होगा

सुनना ही हमारे सुधरने का द्वार : मनीष सागर

रायपुर (समय दर्शन)। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में रविवार को विशेष प्रचवनमाला में युवा मनीषी मनीष सागर महाराज ने कहा कि अपने इगो को हटाना होगा। आप जब सुनना शुरू कर दोगे तभी सुधार होगा। सुनना ही हमारे सुधरने का द्वार है। कोई आपकी गलती बताएं तो उसे सुनकर उसका विश्लेषण करें और सुधार करें। ऐसा करने वाला व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ सकता है। इगो एक पहाड़ के समान होता है इगो को ध्वस्त करना पड़ेगा। उम्र के साथ परिपक्वता बढ़े, गंभीरता बढ़े, पद बढ़े, प्रतिष्ठा बढ़े लेकिन इगो को घटाना होगा। जीवन में आप आगे बढ़ो लेकिन इगो को घटाते जाओ।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि व्यक्तित्व ऐसा बनाओ कि घर में हर छोटे और बड़े अपनी बात बगैर किसी घबराहट के आपसे खुलकर कह सकें। सुखी होने का फार्मूला यही है। कोई भी आपसे कहे तो आप सुन सको। घर वालों से पूछो कि मेरे को क्या सुधार करना चाहिए। यदि वे

नहीं बोल सके तो बोलने लायक बनाना पड़ेगा। अपनी गलती को दिमाग में रखकर सुधारने का अभ्यास करें। हो सकता है फिर भी गलती होगी लेकिन आत्मविश्वास मजबूत रखें। आत्मविश्वास खोकर सुधार संभव नहीं है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि कोई भी इस संसार में पूर्ण नहीं है। यदि मेरी अपूर्णता किसी ने बताई है तो मानो यह अच्छी बात है और सामने वाले ने आपको वह ध्यान दिया है और इस पर सुधार का कार्य करें। सुनना बहुत जरूरी है। सही सुनना, सुधार की बात को सुनना, अपनी बात को सुनना ये भी बड़ी उपलब्धि है। किसी की गलती देखें तो तुरंत ना टोके। उचित समय,उचित स्थान को देखकर धैर्य पूर्वक समझाएं। अपमान करने की भावना से किसी की गलती ना बताएं।जीवन की पहली पाठशाला, समाज की सबसे छोटी इकाई और हमारी सबसे छोटी दुनिया परिवार है। इस पाठशाला की परीक्षा में हमें उत्तीर्ण होने का पुरुषार्थ करना है। आज सभी जीवन की पहली पाठशाला में फेल हो जाते हैं। इस कारण ही परिवार में कलह, क्लेश और अशांति होती है और परिवार बिखर जाते हैं।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले खुद में सुधार की आवश्यकता है। सब सुधरेंगे तब मैं सुधारूंगा यह मानते रहेंगे तो कुछ नहीं होगा। सब व्यक्ति यह ठान लें कि अपनी जगह पर सही जीवन जीने का प्रयास करूंगा तो परिवार, फिर समाज, फिर राष्ट्र और फिर विश्व ऊपर उठेगा। भगवान महावीर के सिद्धांत विश्व के लिए उपयोगी है। व्रतमय सात्विक जीवन यह विश्व अपना ले तो विश्व में शांति स्थापित होगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हम कैसे परिवार में जिए कि परिवार में हम तीन उद्देश्यों को प्राप्त कर सकें, यह हमेशा ध्यान रहना चाहिए। पहला उद्देश्य है परिवार में शांति स्थापित करने के निमित्त बने। कभी भी परिवार में अशांति स्थापित न करें। दूसरा उद्देश्य शांति के साथ संस्कारों की बगिया भी हम बना लें ताकि मर्यादित जीवन हो। तीसरा उद्देश्य होना चाहिए प्रगति। जिन चुनौती का सामना कर हम मनुष्य भाव में आए हैं ऐसा जीवन हो कि मानव से महामानव बने। इन उद्देश्यों को पूरा कर ही हमारा जीवन सफल हो सकता है ।

दादाबाड़ी के जीर्णोद्धार के लिए सोने-चांदी से भर गया कलश- अजमेर दादाबाड़ी के जीर्णोद्धार के लिए रविवार सुबह कलश यात्रा निकली। यह टैगोर नगर स्थित गौतम लोढ़ा के निवास से प्रारंभ होकर धर्मसभा में पहुंची। निर्माण कार्य के लाभार्थी परिवार गौतम लोढ़ा, कांकरिया परिवार सुमित गरुप,कमलजी नितेशजी लुनिया रायपुर, सुरेश बाघमार रायपुर, धर्मचंद निमानी रायपुर, रंजू प्रशांतजी मुंबई रहे। कलश की स्थापना परम पूज्य उपाध्याय भगवंत के मुखारविंद से वासक्षेप के साथ हुई।

संपादकीय

आयातित कारें बेचने आई मस्क

जिस दिन देश में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री में कमी आने की रिपोर्ट आई ठीक उसी दिन अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला ने धूमधाम से भारत में प्रवेश कर लिया। टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में अपना पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' खोला है। खेद की बात यह कि कंपनी भारत में कार बनाने नहीं, बल्कि आयातित कारें बेचने आई है। मस्क ने इससे पहले उच्च आयात शुल्क को कंपनी के भारत में नहीं आने की वजह बताया था। कंपनी चीन स्थित शंघाई विनिर्माण संयंत्र में बने मॉडल 'वाई' को आयात करके भारत में बेचेगी जिसकी शुरुआती कीमत 59.89 लाख रुपये है। मध्यम आकार की इलेक्ट्रिक एसयूवी 'वाई' कभी दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार थी। यह भारत में दो संस्करणों में उपलब्ध होगी। दोनों कारें एक बार की चार्जिंग में क्रमश: 500 और 622 किमी. का सफर तय कर सकती हैं। मस्क की कंपनी टेस्ला कुछ समय से बिक्री में गिरावट से जूझ रही है। मस्क लंबे समय से भारत में टेस्ला को लाने की प्लानिंग कर रहे थे। उनकी योजना भारत में टेस्ला का कारखाना लगाने की भी थी। भारत में जिस मॉडल की कीमत लगभग 60 लाख रु पये है, उसी मॉडल की कीमत अमेरिका में 44,990 डॉलर यानी लगभग 39 लाख रु पये है, चीन में 36,700 डॉलर यानी 32 लाख रु पये और जर्मनी में 45,970 डॉलर यानी करीब 39 लाख 50 हजार रुपये है। टेस्ला भारत में जिन कारों को ग्राहकों के लिए लेकर आएगी उन पर करीब 100 फीसद टैरिफ लगेगा। टेस्ला के भारत में आने से हमें बहुत खुश होने की जरूरत नहीं है। जब तक यह भारत में विनिर्माण संयंत्र नहीं लगाती तब तक भारतीयों को अपने बीच के ही चंद अरबपतियों की कारें देख कर खुश होना पड़ेगा। वैसे भी टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कारों के प्रीमियम ग्रुप को ही लक्ष्य बना रही है। ये भारत के कुल ऑटोमोबाइल मार्केट का 4 फीसद है। टेस्ला, इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली घरेलू कंपनियों जैसे टाटा मोटर्स और महिंद्रा से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगी। उसका मुकाबला होगा बीएमडब्ल्यू और मर्सडीज-बेंज से। सरकार कहती है कि देश में लोग तेजी से गरीबी की रेखा से ऊपर आ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की राय इसके उलट है। आप भी टेस्ला की कार चलाना चाहते हैं तो अमेरिका से ट्रेड डील या भारत के टैरिफ घटाने का इंतजार करें।

भारत के समक्ष आर्थिक और सैन्य चुनौतियां

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय भारत के समक्ष जो आर्थिक और सैन्य चुनौतियां हैं, उनके मद्देनजर भारत को दुनिया की नई वैंकि आर्थिक शक्ति और उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है। चार जुलाई को भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने न सिर्फ पाकिस्तान को हराया, बल्कि पाकिस्तान को परोक्ष रूप से हरसंभव सहायता देने वाले चीन और तुर्किए को भी हराया है। यद्यपि एक जुलाई से 31 जुलाई तक एक माह के लिए पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बनने के बाद वह अध्यक्ष के रूप में कोई विशेष शक्ति नहीं रखता, फिर भी उसने भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने के कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटने के बाद भी पाकिस्तान की अकड़ कम नहीं हुई है। पाकिस्तान की सरकार और उसके सेना प्रमुख आसिम मुनीर भारत को बार-बार गीदड़ भभकी देने से बाज नहीं आ रहे हैं। 30 जून को मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को वैध संघर्ष बताते हुए कहा कि उनका देश कश्मीर के लोगों के संघर्ष में हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। भारत को मात देने के लिए चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश मिल कर नया सार्क बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस नये सार्क में दक्षिण एशिया के अन्य देशों को भी शामिल करने की तैयारी है। ऐसे में देश के पड़ोसी दुश्मन देशों पाकिस्तान और चीन के बढ़ते नापाक गठबंधन और उनके द्वारा लगातार आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के परिदृश्य के मद्देनजर भारत को नई आर्थिक शक्ति और नये दौर के उन्नत परमाणु हथियारों की क्षमताओं से सुसज्जित होना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर के तहत भारत-पाकिस्तान संघर्ष के परिणामों का विश्लेषण बताता है कि युद्ध में नई एआई तकनीक और आर्थिक ताकत की अहमियत दिखाई दी है, और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हुई है। लेकिन अब पाकिस्तान द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जाने के मद्देनजर भारत के लिए उन्नत परमाणु शक्ति-संपन्न देश बनना भी जरूरी है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है, और शक्ति से ही भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतएव भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश के आसमान छूते वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और पूरे देश का जन-बल एकजुटता से कदम बढ़ाते दिखाई दे रहे हैं। गौरतलब है कि पिछली 24 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने आर्थिक-सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया। वस्तुत: ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की। ऐसे में भारत, दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की सैन्य चुनौतियों से मुकाबले के लिए एआई तकनीकों और उन्नत परमाणु हथियारों से शक्ति-संपन्न देश बनने की संभावनाओं को साकार कर सकता है। निस्संदेह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था इसे वैंकि आर्थिक शक्ति बना सकती है। यह छोटी बात नहीं है कि पिछले दिनों दुनिया को हिला देने वाले इजरायल और ईरान के बीच भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से युद्ध की आर्थिक चुनौतियों के बीच सक्षम बन कर मजबूती के साथ खड़ा रहा है। जहां इस युद्ध से कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, व्यापार में कमी, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट का परिदृश्य उभर कर दिखाई दिया, वहीं भारत इन सब मुश्किलों के मद्देनजर बेहतर स्थिति में बना रहा है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, कम निर्यात निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति, मेक इन इंडिया और कृषि क्षेत्र में ऊंची सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने के लिए मजबूत स्थिति में रखा है।

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फअसम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं।

वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है।

बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर 'वोटों की चोरी' का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन बाकी चुनावों के मामले चुप्पी साध लेते हैं।

राहुल गांधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। असल में राहुल गांधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव में लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है।

2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद 'संविधान बदलने का खतरा' होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी। उसी तरह विपक्ष लोगों के बीच वोट खोने का डर और चुनाव में गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर बढ़त हासिल करना चाहता है। इससे वह सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने के साथ-साथ जनता के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहता है। यदि जनता के एक प्रतिशत लोगों के मन में भी अपना 'वोट खोने का डर' पैदा हो जाता है तो इससे पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल पूरी तैयारी के साथ इसी 'रणनीति' पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है। चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी ड्यूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

ट्रम्प प्रशासन भारतीय दर्शन को अपनाकर वैश्विक समस्याओं का हल निकाल सकते हैं

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आज की आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत का प्राचीन आर्थिक दर्शन संभवत: आशा की किरण के रूप में दिखाई पड़ता है। अमेरिका जैसा शक्तिशाली देश, अपने अहंकार के मद में, जब अपने पड़ौसी देशों एवं हितचिंतक देशों के साथ ही अन्य अविकसित एवं विकासशील देशों को भी नहीं बक्श रहा है एवं इन देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ का डंडा चला रहा है, तब भारतीय आर्थिक दर्शन की वसुधैव कुटुंबकम, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय एवं सर्वे भवंतु सुखिन सर्वे संतु निरामया: जैसी नीतियों की याद सहज रूप से ही आ जाती है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, अर्थ का अर्जन करना बुरी बात नहीं है परंतु इसका धर्म के अनुसार उपयोग नहीं करना बुरी बात है। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान नीतियों से स्पष्ट झलकता है कि अथाह मात्रा में इकट्ठे किए गए धन का उपयोग विश्व के अन्य देशों को डराने धमकाने के लिए किया जा रहा है। अमेरिका आज कई देशों पर दबाव बनाता हुआ दिख रहा है कि यदि किसी देश ने उसकी शर्तों के अनुरूप अमेरिका के साथ द्विपक्षीय आर्थिक समझौता नहीं किया तो उस देश से होने वाले वस्तुओं के अमेरिका में आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाया जाएगा।

यह सत्य है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान विश्व के कई देश विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़े हैं और आज यह सम्पन्न देशों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। इन देशों के नागरिकों को भौतिक सुख की प्राप्ति तो हुई है परंतु उनके जीवन में मानसिक सुख का पूर्णत: अभाव है। अत: इनके जीवन में संतोष का अभाव है और यह लोग कुंठा की भावना में बहते हुए कुछ इस प्रकार के निर्णय ले रहे हैं जिससे समाज के अन्य लोगों का अहित हो रहा है। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी नीतियों के चलते कुछ लोग केवल अपने आर्थिक विकास की ओर पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, समाज के अन्य नागरिकों की स्थिति कैसी है, इस बात पर उनका ध्यान बिलकुल नहीं है। अपने को अधिक धनवान बनाने की प्रक्रिया में वे अपने ही समाज के नागरिकों का अहित करने से भी नहीं चूकते हैं। आज अमेरिका की स्थिति भी लगभग यही है। आज वह पूरे विश्व की चौधराहट प्राप्त करने के प्रयास में कुछ इस प्रकार की नीतियों का अनुपालन करता हुआ दिखाई दे रहा है जो अन्य देशों का नुक्सान कर सकती हैं। परंतु, अन्य देशों को होने वाले नुक्सान के प्रति अमेरिका आज पूर्णत: अनजान सा बना हुआ है। पूरे विश्व की आर्थिक स्थिति डावांडोल होती हुई दिखाई दे रही है। यह सब तब हो रहा है जब विश्व की बहुत बड़ी संख्या में नागरिक भूख, गरीबी एवं बेकारी से त्रस्त है। समाज का एक वर्ग अमीर से और अधिक अमीर हो रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग गरीब से और अधिक गरीब हो रहा है। आय की असमानता की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। कुल मिलाकर अमेरिका सहित विश्व के कई विकसित देशों के नागरिक आज अपनी आर्थिक तरक्की से संतुष्ट नहीं है एवं भौतिक सुख होने के बावजूद मानसिक बीमारियों से ग्रस्त नजर आ रहे हैं।

हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार मनुष्य का इस धरा पर जन्म, परेशनियां झेलने के लिए नहीं हुआ है। बल्कि, इस मानव जीवन को समस्याओं रहित बनाकर, शांतिपूर्ण तरीके से जीने के लिए हुआ है। आज विभिन्न देशों के नागरिक खाने पीने की वस्तुओं, अच्छे वस्त्रों, बड़े एवं सुविधाजनक निवास स्थान, मनोविनोद के साधनों में वृद्धि, वासना की वृद्धि एवं वासना की संतुष्टि के लिए विभिन्न साधनों में वृद्धि, सुख के लिए उपभोग में वृद्धि जैसे कार्यों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए है। जैसे इस धरा पर जीवन जीने का लक्ष्य यही है। इच्छाओं की पूर्ति सम्भव नहीं है। एक इच्छा की पूर्ति होती है तो दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। यह पूंजीवाद में निहित पश्चिमी विचार है। इस धारणा को और अधिक स्पष्ट करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री गुरुजी (श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) कहते हैं कि पश्चिम के सुख की अवधारणा पूर्णतया प्रकृति जन्य इच्छाओं की संतुष्टि पर केंद्रित है, अत: उनके जीवन स्तर को उठाने का अर्थ भी केवल भौतिक आनंद की वस्तुओं को अधिकाधिक जुटाना है। इससे व्यक्ति अन्य विचारों एवं एषणाओं को छोड़कर केवल इसी में पूर्णतया संलग्न हो जाता है। भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति की इच्छा धन संग्रह को जन्म देती है। अधिकाधिक धन प्राप्ति हेतु शक्ति आवश्यक हो जाती है; किंतु भौतिक सुख की अतृप्त क्षुधा व्यक्ति को अपनी राष्ट्रीय सीमाओं तक ही नहीं रुकने देती। सबल राष्ट्र, राज्य शक्ति के आधार पर दूसरों के दमन व शोषण का भी प्रयास करते हैं। इसमें से संघर्ष व विनाश का जन्म होता है। एक बार यह प्रक्रिया प्रारम्भ हुई कि समाप्त होने का नाम ही नहीं लेती। सभी नैतिक बंधन विच्छिन हो जाते हैं। सामान्य मानवीय संवेदनायें सूख जाती हैं। मनुष्य और पशु में अंतर स्थापित करने वाले मूल्य एवं गुण समाप्त हो जाते हैं। हालांकि उक्त विचार आज से लगभग 65/70 वर्ष पूर्व व्यक्त किए गए थे परंतु यह आज अमेरिका की स्थिति पर सटीक बैठते हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के साथ सत्ता में आने वाले श्री डानल्ड ट्रम्प आज पूरे विश्व में अराजकता की सत्ता स्थापित करने में लगे हुए हैं। केवल और केवल अमेरिका के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देना है, इससे अन्य राष्ट्रों (अविकसित एवं विकासशील देशों सहित) का कितना भी नुक्सान हों परंतु अमेरिकी उद्योगपतियों एवं व्यवसायीयों के हित सुरक्षित रहने चाहिए, उनकी आर्थिक तरक्की होते रहना चाहिए।

भारतीय आर्थिक चिंतन पश्चिम के आर्थिक चिंतन के ठीक विपरीत है। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार, अर्थ एवं भोग को धर्म के अनुसार ही कार्यशील रखना चाहिए। इस संदर्भ में संयम को प्राथमिकता दी गई है। कोई भी कार्य, सीमा के अंदर किया जाय तो उचित होता है। सीमा के बाहर जाकर किया गया कार्य, समाज में अस्थिरता प्रतिपादित कर सकता है। अत्यधिक भोग, भारतीय संस्कृति में निषेध है। अर्थ के अधिक मात्रा में अर्जन पर हालांकि किसी प्रकार का निषेध नहीं है परंतु अर्थ के उपभोग पर जरूर कुछ सीमाएं निर्धारित हैं। अर्थ का उपयोग स्वयं की सुख प्राप्ति के लिए उपभोग करने के उपरांत परिवार, समाज, धर्म की रक्षा, संस्कृति के विस्तार, भविष्य की सुरक्षा के लिए बचत, आदि के लिए करना आवश्यक माना गया है। पश्चिमी सभ्यता के अनुसार तो अर्थ का उपभोग केवल एवं केवल स्वयं के लिए किया जाता है एवं येन केन प्रकारेण व्यक्ति द्वारा इसकी वृद्धि हेतु प्रयास किए जाते हैं। सुख को तो अपने अंदर महसूस किया जा सकता है। बाहरी भौतिक आवरण पहनकर सुख की प्राप्ति सम्भव नहीं है। इसी संदर्भ में श्री गुरुजी कहते हैं कि सब बातों का विचार हमारे पूर्वजों ने भी किया था। समय पर वर्षा होना चाहिए, पृथ्वी पर धन धान्य की समृद्धि रहना चाहिए, समाज को ऐच्छिक सुख समृद्धि की प्राप्ति होना चाहिए, कोई भी दुखी न रहे - ऐसी प्रार्थना उन्होंने की है, परंतु उस समय भी उनको अनुभव हुआ कि मनुष्य केवल वासनाओं का पुतला नहीं है। वासनाओं की तुष्टि कुछ समय के लिए आनंद देती हैं, किंतु हमेशा के लिए वह आनंद नहीं दे सकती। मनुष्य तो ऐसा सुख चाहता है, जो कभी क्षीण न हो, उसमें कभी बाधा न आ सके, व्यत्यय न आ सके, यानी वह अबाधित, नित्य सुरक्षित और चिरकालिक सुख की कामना करता है।

उक्त विचार को आगे बढ़ाते हुए श्री गुरुजी कहते हैं कि अपनी भारतीय प्रणाली में जिसे अर्थशास्त्र कहते हैं, उसमें आज जैसा केवल आर्थिक पहलू मात्र नहीं था। हमारे यहां अर्थशास्त्र का ही दूसरा नाम नीतिशास्त्र था। आज हमें अपने सिद्धांतों के आधार पर मौलिक चिंतन करना चाहिए। हम दुनिया भर के विचार प्रवाहों को परखेंगे तथा अपनी स्वतंत्र मौलिक राष्ट्रीय चिंतनधारा के अनुरूप अपना रास्ता अपनाएंगे। उदाहरण के लिए महात्मा गांधी जी ने अपने जीवन काल में संपत्ति के विकेंद्रीकरण के लिए ट्रस्टीशिप का मार्ग प्रतिपादित किया। उनके इस ट्रस्टीशिप के विचार में माना गया है कि मनुष्य के उत्पादन सामर्थ्य में कोई कमी करने की जरूरत नहीं जीविका के साधनों द्वारा जितना चाहे, उसे उत्पादन करने दो, परंतु संग्रह का वह अधिकारी नहीं है। जीविका के साधनों का प्रयोग करने पर जो संपत्ति एकत्रित होती है, वह समाज की है, अपने उपभोग बढ़ाने के लिए नहीं। वह सम्पत्ति उसने समाज को दे देनी चाहिए। इस धरा पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए सुख वासनाओं-इच्छाओं को बढ़ाते जाने में नहीं है, सुख तो वासनाओं-इच्छाओं को कम करते जाने की मानसिकता में से मिलता है। इस दृष्टि से श्री गुरुजी इच्छाओं व आवश्यकताओं को बढ़ाते जाने वाले आर्थिक चिंतन को स्वीकार नहीं करते थे, अपितु आवश्यकता विहीन की दिशा में चलने वाले अर्थशास्त्र के समर्थक थे। साथ ही, समाज के समस्त क्रिया कलापों के दौरान यह भी ध्यान रखना होगा कि कुल मिलाकर सम्पूर्ण समाज के सुख में वृद्धि हो जो शोषण से मुक्ति एवं वितरण की समानता की ओर संकेत करती है। वेसे भी सुख की प्राप्ति मनुष्य अकेला नहीं कर सकता, समाज का सहयोग चाहिए। अत: सुख का आधार परस्परानुकूलता हैं, संघर्ष नहीं। कुल मिलाकर प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन में ट्रम्प प्रशासन के लिए बहुत बड़ी सीख छुपी हुई है।

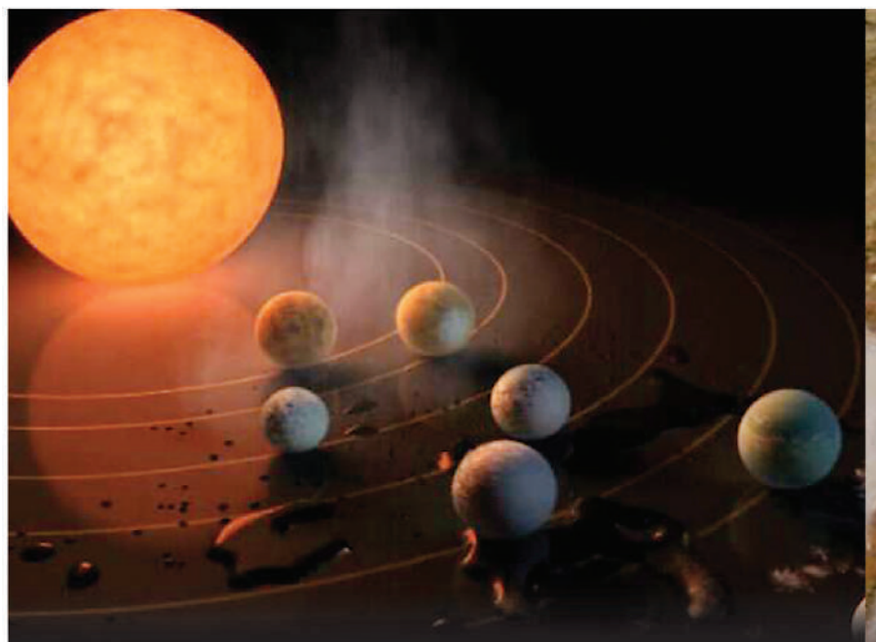

क्या सचमुच ही पंचक में मरने वाला पांच अन्य को भी साथ ले जाता है?

गरुड़ पुराण सहित कई धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि यदि पंचक में किसी की मृत्यु हो जाए तो उसके साथ उसी के कुल खानदान में पांच अन्य लोगों की मौत भी हो जाती है। क्या यह सच है? दरअसल पंचक पांच प्रकार के होते हैं: रोग पंचक, राज पंचक, अग्नि पंचक, मृत्यु पंचक और चोर पंचक। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट होता है कि किस पंचक में क्या होगा। इसमें मृत्यु पंचक ही मृत्यु से संबंधित होता है।

शास्त्र-कथन है-
'धनिष्ठ-पंचकं ग्रामे शद्भिषा-कुलपंचकम।
पूर्वाभाद्रपदा-रथ्या : चोत्तरा गृहपंचकम।
रेवती ग्रामबाह्यं च एतत पंचक-लक्षणम।।'
आचार्यों के अनुसार धनिष्ठा से रेवती पर्यंत इन पांचों नक्षत्रों की क्रमश : पांच श्रेणियां हैं- ग्रामपंचक, कुलपंचक, रथ्यापंचक, गृहपंचक एवं ग्रामबाह्य पंचक।
ऐसी मान्यता है कि यदि धनिष्ठा में जन्म-मरण हो, तो उस गांव-नगर में पांच और जन्म-मरण होता है। शतभिषा में हो तो उसी कुल में, पूर्वा में हो तो उसी मुहल्ले-टोले में, उत्तरा में हो तो उसी घर में और रेवती में हो तो दूसरे गांव-नगर में पांच बच्चों का जन्म एवं पांच लोगों की मृत्यु संभव है। मान्यतानुसार किसी नक्षत्र में किसी एक के जन्म से घर आदि में पांच बच्चों का जन्म तथा किसी एक व्यक्ति की मृत्यु होने पर पांच लोगों की मृत्यु होती है। मरने का कोई समय नहीं होता। ऐसे में पांच लोगों का मरना कुछ हद तक संभव है, परंतु उत्तरा भाद्रपदा को गृहपंचक माना गया है और प्रश्न है कि किसी घर की पांच औरतें गर्भवती होंगी तभी तो पांच बच्चों का जन्म संभव है। पंचक में जन्म-मरण और पांच का सूचक है। जन्म खुशी है और गृह आदि में विभक्त इन नक्षत्रों के तथाकथित फल पांच गृहादि में होने वाले हैं, तो स्पष्ट है कि वहां विभिन्न प्रकार की खुशियां आ सकती हैं। पांच मृत्युओं का अभिप्राय देखें तो पांच गृहादि में रोग, कष्ट, दु :ख आदि का आगम हो सकता है। कारण व्यथा, दु :ख, भय, लज्जा, रोग, शोक, अपमान तथा मरण- मृत्यु के ये आठ भेद हैं। इसका मतलब यह कि जरूरी नहीं कि पांच की मृत्यु ही हो पांच को किसी प्रकार का कोई रोग, शोक या कष्ट हो सकता है।

क्या होता है पंचक?

आकाश को कुल 27 नक्षत्रों में बांटा गया है। इन 27 नक्षत्रों में अंतिम पांच नक्षत्र- धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद और रेवती नक्षत्रों के संयोग को पंचक कहा जाता है। इन पांच नक्षत्रों की युति यानी गठजोड़ अशुभ होता है। 'मुहूर्त चिंतामणि' अनुसार इन नक्षत्रों की युति में किसी की मृत्यु होने पर परिवार के अन्य सदस्यों को मृत्यु या मृत्यु तुल्य कष्ट सहना पड़ता है। ज्योतिष के अंतर्गत कुंभ और मीन राशि के चंद्रमा के नक्षत्रों, अर्थात धनिष्ठा के उत्तरार्द्ध, शतभिषा, पूर्वा भाद्रपदा, उत्तरा भाद्रपदा तथा रेवती- इन पांच नक्षत्रों के समूह को पंचक कहते हैं। धनिष्ठा के स्वामी मंगल, शतभिषा के स्वामी राहू, पूर्वाभाद्रपद के बृहस्पति, उत्तराभाद्रपद के शनि और रेवती के स्वामी बुध आदि से बनता है पंचक। शनिवार से शुरू हुआ पंचक सबसे ज्यादा घातक होता है। इसे मृत्यु पंचक कहा जाता है।

पंचक का उपाय

'प्रेतस्य दाहं यमदिग्गमं त्यजेत्शय्या-वितानं गृह-गोपनादि च।' - मुहूर्त-चिंतामणि
पंचक में मरने वाले व्यक्ति की शांति के लिए गरुड़ पुराण में उपाय भी सुझाए गए हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार पंचक में शव का अंतिम संस्कार करने से पहले किसी योग्य विद्वान पंडित की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। यदि विधि अनुसार यह कार्य किया जाए तो संकट टल जाता है। दरअसल, पंडित के कहे अनुसार शव के साथ आटे, बेसन या कुश (सूखी घास) से बने पांच पुतले अर्थी पर रखकर इन पांचों का भी शव की तरह पूर्ण विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया जाता है। ऐसा करने से पंचक दोष समाप्त हो जाता है। दूसरा यह कि गरुड़ पुराण अनुसार अगर पंचक में किसी की मृत्यु हो जाए तो उसमें कुछ सावधानियां बरतना चाहिए। सबसे पहले तो दाह-संस्कार संबंधित नक्षत्र के मंत्र से आहुति देकर नक्षत्र के मध्यकाल में किया जा सकता है। नियमपूर्वक दी गई आहुति पुण्यफल प्रदान करती हैं। साथ ही अगर संभव हो दाह संस्कार तीर्थस्थल में किया जाए तो उत्तम गति मिलती है।

पंचक में वर्जित कार्य

'अग्नि-चौरभयं रोगो राजपीडा धनक्षति :।
संग्रहे तृण-काष्ठानां कृते वस्त्रादि-पंचके।।' -मुहूर्त-चिंतामणि
अर्थात :- पंचक में तिनकों और काष्ठों के संग्रह से अग्निभय, चोरभय, रोगभय, राजभय एवं धनहानि संभव है।
धनिष्ठा पंचकं त्याज्यं तृणकाष्ठादिसंग्रहे।
त्याज्या दक्षिणदिग्यात्रा गृहाणां छादनं तथा।।
शास्त्रों में पंचक के समय दक्षिण दिशा की यात्रा करना, लकड़ी का सामान खरीदना या बनवाना, खाट बुनना, घर की छत ढलवाना, चांदनी लगवाना, घर की लिपाई-पुताई (रंग-रोगन) करवाना आदि कार्यों को वर्जित बताया गया है। उक्त कार्य करने से धन हानि और घर में क्लेश होता है या किसी भी प्रकार का संकट उत्पन्न हो सकता है।

बाबा अमरनाथ यात्रा की रोचक बातें

प्राचीन एवं पौराणिक इतिहास

हिन्दुओं के सबसे बड़े तीर्थ स्थल अमरनाथ के बारे में बहुत कम ही लोग कुछ खास बातें जानते होंगे। यहां अमरनाथ से जुड़ी प्राचीन, पौराणिक और रहस्यमयी जानकारी जरूर जानिए।

- हिन्दू तीर्थ अमरनाथ की गुफा कश्मीर के श्रीनगर से करीब 145 किलोमीटर की दूरी पर हिमालय पर्वत श्रेणियों में स्थित है।
- अमरनाथ यात्रा पर जाने के लिए 2 रास्ते हैं- एक पहलगाम होकर जाता है और दूसरा सोनमर्ग बालटाल से जाता है।
- यहां की यात्रा हिन्दू माह अनुसार आषाढ़ पूर्णिमा से प्रारंभ होती है और श्रावण पूर्णिमा तक चलती है। यात्रा के अंतिम दिन छड़ी मुबारक रस्म होती है।
- अमरनाथ गुफा के शिवलिंग को 'अमरेश्वर' कहते हैं। पौराणिक मान्यता अनुसार इस गुफा को सबसे पहले भृगु ऋषि ने खोजा था। तब से ही यह स्थान शिव आराधना और यात्रा का केंद्र है।
- इस गुफा में भगवान शंकर ने कई वर्षों तक तपस्या की थी और यहीं पर उन्होंने माता पार्वती को अमर कथा सुनाई थी, अर्थात अमर होने के प्रवचन दिए थे।
- गुफा की परिधि लगभग 150 फुट है और इसमें ऊपर से सेंटर में बर्फ के पानी की बूंदें टपकती रहती हैं। टपकने वाली हिम बूंदों से लगभग दस फुट लंबा शिवलिंग बनता है। हालांकि बूंदें तो और भी गुफाओं में टपकती है लेकिन वहां यह चमत्कार नहीं होता।
- बर्फ की बूंदों से बनने वाला यह हिमलिंग चंद्र कलाओं के साथ थोड़ा-थोड़ा करके 15 दिन तक बढ़ता रहता है और चन्द्रमा के घटने के साथ ही घटना शुरू होकर अंत में लुप्त हो जाता है।
- अमरनाथ की यात्रा करने के प्रमाण महाभारत और बौद्ध काल में भी मिलते हैं। ईसा पूर्व लिखी गई कल्हण की 'राजतरंगिनी तरंग द्वितीय' में इसका उल्लेख मिलता है। अंग्रेज लेखक लारेंस अपनी पुस्तक 'वैली ऑफ कश्मीर' में लिखते हैं कि पहले मट्टन के कश्मीरी ब्राह्मण अमरनाथ के तीर्थयात्रियों की यात्रा करवाते थे। बाद में बटकुट में मलिकों ने यह जिम्मेदारी संभाल ली।
- विदेशी आक्रमण के कारण 14वीं शताब्दी के मध्य से लगभग 300 वर्ष की अवधि के लिए अमरनाथ यात्रा बाधित रही। कश्मीर के शासकों में से एक 'जैनुलबुद्दीन' (1420-70 ईस्वी) ने अमरनाथ गुफा की यात्रा की थी।
- मान्यता अनुसार भगवान शिव ने माता पार्वती को जब अमरत्व का रहस्य सुना रहे थे तब इस रहस्य को शुक (कठफोड़वा या तोता) और दो कबूतरों ने भी सुन लिया था। यह तीनों ही अमर हो गए। कुछ लोग आज भी इन दोनों कबूतरों को देखे जाने का दावा करते हैं।
- शिव जब पार्वती को अमरकथा सुनाने ले जा रहे थे, तो उन्होंने अनंत नागों को अनंतनाग में छोड़ा, माथे के चंदन को चंदनवाड़ी में उतारा, अन्य पिस्सुओं को पिस्सू टॉप पर और गले के शेषनाग को शेषनाग नामक स्थल पर छोड़ा।
- पुराण के अनुसार काशी में दर्शन से दस गुना, प्रयाग से सौ गुना और नैमिषारण्य से हजार गुना पुण्य देने वाले श्री बाबा अमरनाथ के दर्शन हैं। जय अमरनाथ।
- यह भी जनश्रुति है कि मुगल काल में जब कश्मीरी पंडितों का कत्लेआम किया जा रहा था तो पंडितों ने अमनाथ के यहां प्रार्थना की थी। उस दौरान वहां से आकाशवाणी हुई थी कि आप सभी लोग सिख गुरु से मदद मांगने के लिए जाएं। संभवत : वे हरगोविंद सिंहजी महाराज थे। उनसे पहले अर्जुन देवजी थे।

कौन सी तिथि किस देवता की

जानिए पूजा करने से क्या होगा

आमतौर पर अंग्रेजी तरीखें 24 घंटे में बदलती है। मतलब यह कि उनके अनुसार रात की 12 बजे दिन बदल जाता है जो कि अवैज्ञानिक है। भारतीय पंचांग के अनुसार सूर्योदय से दिन बदलते हैं। जिन्हें सावन दिन कहते हैं, मतलब सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक। जहां तक सवाल तिथि का है तो यह हिन्दू पंचाग अनुसार एक तिथि उन्नीस घंटे से लेकर चौबीस घंटे तक की होती है। इसका मतलब यह कि कोई तिथि 19 घंटे की होगी तो कोई तिथि 24 घंटे की भी हो सकती है। अब यदि कोई तिथि 19 घंटे की होगी तो इसका मतलब है कि मध्यांतर में ही या मध्य रात्रि में ही तिथि बदल जाएगी। आपने देखा होगा चांद को दिन में भी।
जहां तक तिथि का प्रश्न है तो वह सूर्य और चंद्रमा के अंतर से तय की जाती है लेकिन उसकी गणना भी सूर्योदय से ही की जाती है। उसी तिथि को मुख्य माना जाता है जो उदय काल में हो। प्रतिपदा से लेकर पूर्णिमा तक शुक्ल पक्ष में 15 तिथियां होती है, लेकिन क्योंकि सौर दिन से चंद्र दिन छोटा होता है इसलिए कई बार एक दिन में दो या तीन तिथियां भी पड़ सकती हैं। इसमें तिथियों की तीन स्थितियां बनती हैं। जिस तिथि में केवल एक बार सूर्योदय होता है उसे सुधि तिथि कहते हैं, जिसमें सूर्योदय होता ही नहीं यानी वह सूर्योदय के बाद शुरू होकर अगले सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाती है उसे क्षय तिथि कहते हैं, इसमें एक दिन में तीन तिथियां हो जाती है और तीसरी स्थिति वो जिसमें दो सूर्योदय हो जाए उसे तिथि वृद्धि कहते हैं। प्रत्येक तिथि और वार का हमारे मन और मस्तिष्क पर गहरा असर पड़ता है। इस तिथि के प्रभाव को जानकर ही व्रत और त्योहारों को बनाया गया। जन्मदिन का सही समय या तारीख तिथि ही है। हिन्दू सौर-चंद्र-नक्षत्र पंचांग के अनुसार माह के 30 दिन को चन्द्र कला के आधार पर 15-15 दिन के 2 पक्षों में बांटा गया है- शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष। शुक्ल पक्ष के अंतिम दिन को पूर्णिमा कहते हैं और कृष्ण पक्ष के अंतिम दिन को अमावस्या। पंचांग के अनुसार पूर्णिमा माह की 15वीं और शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि है जिस दिन चन्द्रमा आकाश में पूर्ण रूप से दिखाई देता है। पंचांग के अनुसार अमावस्या माह की 30वीं और कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि है जिस दिन चन्द्रमा आकाश में दिखाई नहीं देता है।
30 तिथियों के नाम निम्न हैं - पूर्णिमा (पूरनमासी), प्रतिपदा (पड़वा), द्वितीया (दूज), तृतीया (तीज), चतुर्थी (चौथ), पंचमी (पंचमी), षष्ठी (छठ), सप्तमी (सातम), अष्टमी (आठम), नवमी (नौमी), दशमी (दसम), एकादशी (ग्यारस), द्वादशी (बारस), त्रयोदशी (तेरस), चतुर्दशी (चौदस) और अमावस्या (अमावस)। पूर्णिमा से अमावस्या तक 15 और फिर अमावस्या से पूर्णिमा तक 30 तिथि होती है। तिथियों के नाम 16 ही होते हैं।
अमावस्या (अमावस) के देवता हैं अर्यमा जो पितरों के प्रमुख हैं। अमावास्या में पितृगणों की पूजा करने से वे सदैव प्रसन्न होकर प्रजावृद्धि, धन-रक्षा, आयु तथा बल-शक्ति प्रदान करते हैं। यह बलप्रदायक तिथि हैं।
प्रतिपदा (पड़वा) के देवता हैं अग्नि। इस तिथि में अग्निदेव की पूजा करने से धन और धान्य की प्राप्ति होती है। यह वृद्धिप्रदायक तिथि है।
द्वितीया (दूज) के देवता हैं ब्रह्मा। इस तिथि में ब्रह्मा की पूजा करने से मनुष्य विद्याओं में पारंगत होता है। यह शुभदा तिथि है।
तृतीया (तीज) के देवता हैं यक्षराज कुबेर। इस तिथि में कुबेर का पूजन करने से व्यक्ति धनवान बन जाता है। यह बलप्रदायक तिथि हैं।
चतुर्थी (चौथ) के देवता हैं शिवपुत्र गणेश। इस तिथि में भगवान गणेश का पूजन से सभी विघ्नों का नाश हो जाता है। यह खला तिथि हैं।
पंचमी (पंचमी) के देवता हैं नागराज। इस तिथि में नागदेवता की पूजा करने से विष का भय नहीं रहता, स्त्री और पुत्र प्राप्ति होती है। यह लक्ष्मीप्रदा तिथि हैं।
षष्ठी (छठ) के देता हैं कार्तिकेय। इस तिथि में कार्तिकेय की पूजा करने से मनुष्य श्रेष्ठ मेधावी, रूपवान, दीर्घायु और कीर्ति को बढ़ाने वाला हो जाता है। यह यशप्रदा अर्थात सिद्धि देने वाली तिथि हैं।
सप्तमी (सातम) के देवता हैं चित्रभानु। सप्तमी तिथि को चित्रभानु नाम वाले भगवान सूर्यनारायण का पूजन करने से सभी प्रकार से रक्षा होती है। यह मित्रवत, मित्रा तिथि हैं।
अष्टमी (आठम) के देवता हैं रुद्र। इस तिथि को भगवान सदाशिव या रुद्रदेव की पूजा करने से प्रचुर ज्ञान तथा अत्यधिक कांति की प्राप्ति होती है। इससे बंधन से मुक्त भी मिलती है। यह द्वंदवमयी तिथि हैं।
नवमी (नौमी) की देवी हैं दुर्गा। इस तिथि में जगतजननी त्रिदेवजननी माता दुर्गा की पूजा करने से मनुष्य इच्छापूर्वक संसार-सागर को पार कर लेता है तथा हर क्षेत्र में सदा विजयी प्राप्त करता है। यह उग्र अर्थात आक्रामकता देने वाली तिथि हैं।
दशमी (दसम) के देवता हैं यमराज। इस तिथि में यम की पूजा करने से नरक और मृत्यु का भय नहीं रहता है। यह सौम्य अर्थात शांत तिथि हैं।
एकादशी (ग्यारस) के देवता हैं विश्वेदेवगणों और विष्णु। इस तिथि को विश्वेदेवों पूजा करने से संतान, धन-धान्य और भूमि आदि की प्राप्ति होती है। यह आनन्दप्रदा अर्थात सुख देने वाली तिथि हैं।
द्वादशी (बारस) के देवता हैं विष्णु। इस तिथि को भगवान विष्णु की पूजा करने से मनुष्य सदा विजयी होकर समस्त लोक में पूज्य हो जाता है। यह यशप्रदा तिथि हैं।
त्रयोदशी (तेरस) के देवता हैं त्रयोदशी और शिव। त्रयोदशी में कामदेव की पूजा करने से मनुष्य उत्तम भार्या प्राप्त करता है तथा उसकी सभी कामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। यह जयप्रदा अर्थात विजय देने वाली तिथि हैं।
चतुर्दशी (चौदस) के देवता हैं शंकर। इस तिथि में भगवान शंकर की पूजा करने से मनुष्य समस्त ऐश्वर्यों को प्राप्त कर बहुत से पुत्रों एवं प्रभूत धन से संपन्न हो जाता है। यह उग्र अर्थात आक्रामकता देने वाली तिथि हैं।
पूर्णिमा (पूरनमासी) के देवता हैं चंद्रमा। इस तिथि में चंद्रदेव की पूजा करने से मनुष्य का सभी जगह आधिपत्य हो जाता है। यह सौम्या तिथि हैं। कहते हैं कि कृष्ण पक्ष में देवता इन सभी तिथियों में शनै : शनै : चंद्रकलाओं का पान कर लेते हैं। वे शुक्ल पक्ष में पुन : सोलहवीं कला के साथ उदित होती हैं। वह अकेली षोडशी कला सदैव अक्षय रहती है। उसमें साक्षात सूर्य का निवास रहता है। इस प्रकार तिथियों का क्षय और वृद्धि स्वयं सूर्यनारायण ही करते हैं। अत : वे सबके स्वामी माने जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जर्जर सड़क की मरम्मत को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष के नेतृत्व में पीडब्ल्यूडी कार्यालय का घेराव

अंबागढ़ चौकी। नगर की बदहाल सड़कों को लेकर आमजन का आक्रोश फूट पड़ा। नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी के नेतृत्व में शुक्रवार को नागरिक संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने लोक निर्माण विभाग के उपसंभागीय कार्यालय का घेराव किया। इसके पहले प्रदर्शनकारियों ने नगर के प्रवेश द्वार राजीव गांधी चौक पर स्थित बड़े-बड़े गड्ढों में प्रतीकात्मक रूप से धान की रोपाई कर विरोध दर्ज कराया। नगर में लोक निर्माण विभाग के अधीन आने वाली मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। राजीव गांधी चौक से लेकर लाल भीष्मदेव शाह चौक, शहीद चौक, अस्पताल तिराहा, दंतेश्वरी मंदिर, पीएमश्री स्कूल, कॉलेज रोड और परमेश्वरी नगर तक की सड़क पर जगह-जगह गड्ढे उभर आए हैं। कई स्थानों पर डामर और गिट्टियां पूरी तरह उखड़ चुकी हैं। लोक निर्माण विभाग के उपसंभागीय कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की। नगर अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी ने बताया कि सड़क मरम्मत की मांग को लेकर कई बार पत्राचार किया गया, लेकिन विभाग द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने उपयंत्री पीएन चंद्रवंशी के खिलाफभी जमकर नारेबाजी की। आरोप है कि वे अपने मर्टर में मौजूद थे, लेकिन ज्ञापन लेने के लिए बाहर नहीं आए। अंतत: प्रदर्शनकारियों को अपना ज्ञापन विभाग के लिपिक तीरथ ध्रुवे और मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को सौंपना पड़ा। जब प्रदर्शनकारी सड़क पर धान की रोपाई कर रहे थे, उसी समय लोनिवि के कर्मचारी भी हरकत में आ गए। परमानेंट गैंग के मजदूरों ने बोरियों में गिट्टी और डस्ट भरकर गड्ढों में भराई शुरू की। राजीव गांधी चौक से लाल भीष्मदेव शाह चौक तक के गड्ढों को डस्ट से भरने का काम किया गया। प्रदर्शन के दौरान राजीव गांधी चौक पर जाम की स्थिति बन गई। सड़क पर लगे गड्ढों और विरोध के चलते पुलिस को ट्रैफिक कंट्रोल करने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। प्रदर्शन के अंत में नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी ने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मुख्य सड़क की शीघ्र मरम्मत व उपयंत्री को हटाने की मांग की। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से रमेश त्रिपाठी, पन्ना कुंजाम, शमीमुद्दीन कुरैशी, पार्षद विनोद डेहरिया, उमा शंकर निषाद, मुरारी श्रीवास्तव, अजय अग्रवाल, प्रमोद ठलाल, दिलेन्द्र देवांगन, रामस्वरूप यादव, योगेन्द्र मिश्रा, शोभा भोयर, रेहाना बेगम, शिवम बाजपेयी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे। जनता का कहना है कि अगर जल्द मरम्मत नहीं की गईए तो आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बाल संस्कार शिशु मंदिर बरगा में नागपंचमी महोत्सव का भव्य आयोजन

थानखम्हरिया (समय दर्शन)। बाल संस्कार शिशु मंदिर बरगा में आज नागपंचमी पर्व बड़े ही श्रद्धा, उल्लास एवं सांस्कृतिक भावना के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मिट्टी से स्वयं बनाए हुए शिवलिंगों का पूजन कर भारतीय संस्कृति और प्रकृति के प्रति गहरा जुड़ाव प्रदर्शित किया। सभी बच्चों ने अपने घरों से मिट्टी लाकर आर्तभाव से शिवलिंग निर्माण किया और भगवान नागदेवता की पूजा सामूहिक रूप से की। पूजा में पुष्प, दूध, अक्षत, दुर्वा, अगरबत्ती, श्रीफल आदि पूजन सामग्री का विधिवत उपयोग किया गया। विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी विद्यार्थियों के साथ इस आयोजन में भाग लिया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि भगवान नाग देवता के 12 पवित्र नामों का उच्चारण, सामूहिक श्रीनागस्तोत्र पाठ एवं मधुर प्रसादी भोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों को प्रसाद वितरित किया गया। संस्था प्रमुख डॉ रेवाराम पाल ने नागदेवता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नागदेवता केवल पूजनीय ही नहीं, बल्कि हमारी फसलों के रक्षक हैं। वे कीटों और चूहों से कृषि की रक्षा करते हैं और भूमि को उपजाऊ बनाए रखते हैं।विषधर होते हुए भी नागदेवता जैसे मंगलकारी हैं, वैसे ही हमें भी अपने कटुता व बैर भाव को त्यागकर, सदा दूसरों का कल्याण करते रहना चाहिए।

छत्तीसगढ़ से गौवंश की तस्करी करने वाले गिरोह का खुलासा ,2 आरोपियो को महाराष्ट्र से किया गया गिरफ्तार

6 आरोपियो को भेजा गया ज्युडिशियल रिमाण्ड पर

भानुप्रताप साहू/समय दर्शन

बालोद। 17 जून को मुखबिर से सूचना मिला था कि ग्राम डुडिया के पास रोड किनारे एक मारूति सुजुकी कार रिट्ज क्रमांक एमएच 02 बीआर 4917 मे दो नग गाय को ठुंसकर भरा गया है, जिसे देखने से प्रतित हो रहा है कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा गौवंश को कत्लखाना ले जाया जा रहा था। सूचना पर थाना अर्जुन्दा पुलिस द्वारा तस्दिक हेतु घटना स्थल डुडिया जाकर देखा तो 2 नग गाय कार के अंदर ठुंसकर,पैरो को बांधकर भरा गया था। वाहन चालक मौके से कार खराब होने के कारण फरार हो गया था। थाना अर्जुन्दा मे अज्ञात अरोपियो के विरूद्ध अपराध क्रमांक 98/2025 धारा छ0ग0 कृषिक पशु परि0अधि0 4, 6, 10, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 11 (डी) पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। 02 नग गौवंश का स्वास्थय परीक्षण कराकर सुरक्षार्थ महावीर गौशाला बालोद मे दाखिल किया गया।

प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्रीमती मोनिका ठाकुर के निर्देशन व पुलिस अनुविभागीय अधीकारी गुण्डरदेही राजेश बागडे के पर्यवेक्षण मे उप निरीक्षक जोगेन्द्र साहू थाना प्रभारी अर्जुन्दा के नेतृत्व मे आरोपी पतासाजी हेतु सायबर एवं थाने की संयुक्त टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्रिनयन एप की सहायता से बालोद जिले के सीसीटीव्ही फुटेज को खंगालने से आरोपियो का सुराग मिला जिसका पिछा करते हुए राजनांदगांव, नागपुर मार्ग मे लगे करीब 50 सीसीटीव्ही कैमरा के फुटेज का अवलोकन किया गया, सर्वप्रथम साकोली नागपुर टोल प्लाजा मे आरोपी वाहन को घटना के दिन राजनांदगांव मार्ग मे आने का फुटेज प्राप्त हुआ, साकोली टोल प्लाजा से भी उक्त रिट्ज वाहन के क्रास करने के फुटेज मिले। पुलिस टीम के द्वारा महाराष्ट्र नागपुर मे थाना कलमना पुलिस की मदद से आरोपियो कि पहचान आबिद अंसारी एवं विकास सिक्रेट डिसोजा दोनो निवासी बेलेनगर थाना कलमना जिला नागपुर के रूप मे हुई। तब दोनो आरोपियो के घर देर रात्रि दबिश देकर दोनो को हिरासत मे लेकर पुछताछ किया गया जिन्होने अपराध करना स्वीकार किया तथा घटना मे शामिल अन्य 04 आरोपीगणो के बारे मे जानकारी दिया। अन्य आरोपिगण छ ग के होने से वापस छ ग आकर घटना मे शामिल चारो आरोपी में विकास गिरी गोस्वामी निवासी उतई,फागुआ धनकर निवास ग्राम नाहंदा थाना गुण्डरदेही, हिमाचल यादव निवासी गुरेदा थाना गुण्डरदेही, खेमलाल देवांगन निवासी गुरेदा को हिरासत मे लिया गया पुछताछ मे सभी ने घटना मे शामिल होना स्वीकार किया जिन्हे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड मे भेजा गया।

उक्त कार्यवाही मे उप निरीक्षक जोगेन्द्र साहू थाना प्रभारी अर्जुन्दा, प्र0आर0 छत्रपाल डहरिया, आर0 दमन वर्मा, आर0 पंकज तारम, सायबर सेल बालोद से आर0 विपीन गुप्ता, आर0 भोपसिंग साहू की विशेष भुमिका रही।

सब्जी उत्पादन से बदली किस्मत, लखपति बनीं आमटी गांव की केतकी दीदी

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के माध्यम से आत्मनिर्भरता की मिसाल बनी श्रीमती केतकी बाई पटेल आज लखपति दीदी के नाम से जानी जाती हैं। जनपद पंचायत दुर्ग के आमटी ग्राम की निवासी और प्रगति महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष केतकी दीदी ने सब्जी उत्पादन और विक्रय से अपनी मेहनत और निश्चय के बल पर आर्थिक समृद्धि हासिल की है। शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा, फिर समूह से उनको सहारा मिला। समूह से जुड़ने से पहले दीदी के पास संसाधनों की कमी थी। सब्जी उत्पादन की इच्छा होते हुए भी आर्थिक तंगी के कारण वे इसे बड़े स्तर पर नहीं कर पा रही थीं। जब उन्हें बिहान योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने स्वयं पहल कर महिला साथियों के साथ स्व-सहायता समूह का गठन किया। छोटी-छोटी बचत करके अपने समूह को सशक्त बनाई। उसके उपरांत उन्होंने बैंक लिंकेज के माध्यम से 30 हजार का लोन लिया और सब्जी उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। बिहान योजना से सामुदायिक निवेश कोष से 20 हजार का लोन प्राप्त कर अपना व्यवसाय को आगे बढ़ाया।

केतकी दीदी ने एक एकड़ निजी भूमि में सब्जी उत्पादन शुरू किया और धीरे-धीरे आधुनिक तकनीक अपनाते हुए, जैसे कि मचान विधि, उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बढ़ाई। आज उनके खेत में भिंडी, बरबटी, करेला, मक्का, बैगन, भाजी जैसी कई मौसमी सब्जियां उगाई जाती हैं। वे सप्ताह में चार दिन बाजार में विक्रय कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही है। दो दिन निकुम बाजार और दो दिन आलबरस बाजार में सब्जियों की बिक्री करती हैं। उनकी दैनिक बिक्री लगभग 3500 रूपए तक होती है, जिससे सप्ताह में लगभग 14 हजार रूपए और महीने में 32 हजार रूपए तक की शुद्ध आय होती है। वार्षिक रूप से वे करीब 3.5 लाख रूपए की आमदनी कर रही हैं।

आमदनी बढ़ने के साथ ही केतकी दीदी ने स्वयं का पक्का मकान बनवाया, पावर डीलर मशीन खरीदी और अब उन्होंने पांच एकड़ अतिरिक्त भूमि भी अर्जित कर ली है, जिसमें वे धान की खेती करती हैं। आज केतकी दीदी अपने मेहनत के दम पर उत्कृष्ट लखपति बनी है और सब्जी उत्पादन के कार्यों से अपनी एक नई पहचान बना रही है।

क्षेत्र के विकास के लिए कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी-कैबिनेट मंत्री वर्मा

उपार्जन केंद्रों में कांक्रीटीकरण और शेडयुक्त चबूतरा निर्माण का किया भूमिपूजन

क्षेत्र के विकास के लिए लगभग 2 करोड़ के नवीन कार्यों की मिली स्वीकृति

भाटापारा (समय दर्शन)। कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने मंगलवार को कृषि उपज मंडी बलौदाबाज़ार क्षेत्र के 6 धान उपार्जन केंद्रों में शेडयुक्त चबूतरा निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया। प्राथमिक कृषि सहकारी समिति देवरी, सलोनी, करमदा, रसेड़ा, भरसेला और लटुआ के धान उपार्जन केंद्रों में शेडयुक्त चबूतरा निर्माण किया जाएगा।प्रत्येक चबूतरे की निर्माण लागत 21.80 लाख रुपये है। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए लगभग 2 करोड़ के नवीन कार्यों की स्वीकृति भी दी जिसके तहत सोनपुरी, बोईरडीह, बेमेतरा, धंवई, भाठागांव, सलोनी, देवरी,शुक्लाभांठा में प्रत्येक में चेक डेम निर्माण हेतु 20-20 लाख रुपये और बुड़गहन में 20 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण शामिल है। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि बहुत जल्द इन विकास कार्यों का निर्माण प्रारंभ किया जाएगा। क्षेत्र के विकास के लिए कोई कमी रहने नहीं दी जाएगी।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश में चहूँमुखी विकास हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश के हर तबके के विकास के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए पूरा प्रयास होगा ताकि हमारे क्षेत्र का निरंतर विकास होता रहे।इस अवसर पर ग्रामीणों ने सुंदर पारंपरिक नृत्य संगीत के साथ अतिथियों का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल,नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष सुलोचना यादव, जिला अध्यक्ष आनंद यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ओरा फाईन ज्वेलरी का 'डायमंड फेस्टिवल' हुआ शुरू, जिसमें मिल रही है, बेहतरीन स्टेटमेंट ज्वेलरी आकर्षक डिस्काउंट के साथ?

रायपुर। बारिश के सुहावने मौसम के साथ ओरा फाईन ज्वेलरी ने अपना बहुप्रतीक्षित, 'डायमंड फेस्टिवल' फिर से शुरू कर दिया है। इस फेस्टिवल में ग्राहकों को एक बार फिर मिलेगी ओरा की खूबसूरत ज्वेलरी और अतुलनीय चमक बहुत ही आकर्षक डिस्काउंट के साथ। इस एक्सक्लुसिव फेस्टिवल में नई ज्वेलरी के यादगार अनुभव के साथ ओरा की ओर से सबसे उत्तम डायमंड्स के लेटेस्ट और मनमोहक डिज़ाईन पेश किए जाएंगे। पिछले कई सालों से आयोजित हो रहा 'डायमंड फेस्टिवल' ओरा पर ऐश्वर्य का प्रतीक बन गया है। इस फेस्टिवल में पेश की जाने वाली हर ज्वेलरी को आधुनिक फैशन के अनुरूप बनाया जाता है, ताकि डायमंड्स की खूबसूरती और आकर्षण का सार उनमें उतर सके। इस साल भी ओरा अपने डायमंड फेस्टिवल के लिए एक नया कलेक्शन लेकर आया है, जो इस मौसम की जीवंत ऊर्जा को आत्मसात करता है। यहाँ पर ग्राहकों को अतुलनीय सुंदरता के साथ अपने ज्वेलरी कलेक्शन का आकर्षण बढ़ाने का अवसर मिलेगा। श्री दीपू मेहता, मैनेजिंग डायरेक्टर, ओरा फाईन ज्वेलरी ने कहा, ''डायमंड फेस्टिवल हमारे ब्रांड के लिए गहरा महत्व रखता है। यह बेहतरीन कारीगरी, सटीकता और विश्वास को नए आयाम में ले जाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो हम अपने डायमंड फेस्टिवल के माध्यम से हर साल ग्राहकों के लिए लेकर आते हैं। ओरा फाईन ज्वेलरी का डायमंड फेस्टिवल ग्राहकों को अविश्वसनीय कीमतों में शानदार ज्वेलरी प्रदान करके उनके लिए अविस्मरणीय यादों का निर्माण करता है, जो सौंदर्य और कालातीत आकर्षण का प्रतीक बन जाती हैं।'' ओरा फाईन ज्वेलरी का डायमंड फेस्टिवल 19 जुलाई से शुरू होकर 17 अगस्त तक चलने वाला है। यहाँ पर ग्राहकों को मंत्रमुग्ध कर देने वाले डायमंड्स का असीम सौंदर्य देखने को मिलेगा, जो उन्हें आकर्षण के साथ शानदार स्टाईल भी प्रदान करेगा। डायमंड फेस्टिवल के लिए ओरा अपनी बहुमूल्य ज्वेलरी के बेहतरीन डिज़ाईन 50,000 रुपये से 4,99,999 रुपये तक की असाधारण कीमतों में लेकर आया है।

एक्सक्लुसिव डिस्काउंट के साथ ज्वेलरी खरीदने के लिए अपने नजदीकी ओरा फाईन ज्वेलरी स्टोर पर विज़िट करें।

ग्राम ओरमा के शिव मंदिर में हुए तोडफोड़ के आरोपी को पकड़ने में बालोद पुलिस को मिली सफलता

आरोपी द्वारा अपनी व अपनी बहनों की शादी नही होने से ईश्वर को दोषी मानकर किया गया था तोड़फोड़

बालोद (समय दर्शन)। नेमलाल साहू पिता बुध्दलाल साहू उम्र 49 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि ग्राम ओरमा वार्ड क्रमांक 01 में स्थिति तालाब के पास शिवलिंग व नंदी की मूर्ति गांव के सहयोग स्थापित किया गया था जिसमें गांव के लोग पूजा अर्चना करते हैं, 23 जुलाई के करीबन रात्रि 11:00 बजे तक गांव के लोग वहां पर बैठे थे, तब तक मंदिर में स्थित शिवलिंग एवं नंदी का मूर्ति सही था, किन्तु 24 जुलाई के प्रात: 05:00 बजे गांव के लोग पुजा करने गये तो देखे कि मंदिर में तोड़ फोड कर क्षति पहुंचाया गया है कि रिपोर्ट पर थाना बालोद में अपराध क्रमांक 301/2025 धारा 298 बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया । मामला को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश पटले के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोद श्रीमती मोनिका ठाकुर के पर्यवेक्षण में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बालोद देवांश सिंह राठौर एव थाना प्रभारी बालोद निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा के नेतृत्व में थाना एवं सायबर सेल बालोद की टीम गठित किया गया था। ूचना मिलते ही एसडीओपी बालोद, थाना प्रभारी बालोद एवं सायबर के स्टाफ घटना स्थल पहुंचे द्य घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर ग्रामीणों से जानकारी ली गई एवं ग्रामीणों को आरोपी की गिरफ्तारी जल्द से जल्द गिरफ्तार करने आश्वासन देकर किसी भी प्रकार की जानकारी होने पर पुलिस को अवगत कराने के संबंध में समझाइश दी गई। पुलिस द्वारा लगातार आरोपी की पतासाजी करने के बाद संदेही नरेन्द्र निषाद उर्फलल्लू पिता रामलाल निषाद उम्र 38 वर्ष निवासी शीतला पारा ग्राम ओरमा थाना व जिला बालोद को पुछताछ किया जो गोल मोल जवाब दे रहा था जिसे बारीकी से पुछताछ करने पर अंतत: टूटकर बताया कि दिनांक 23.07.2025 को यह राज मिस्त्री काम कर शराब पीकर अपने ग्राम ओरमा गया, ग्राम ओरमा में भी शराब पीया और घर में खाना खाकर आराम करते सोचने लगा कि मेरी शादी एवं मेरी दो बहनों की शादी नहीं हो रही है इस बात के लिए भगवान दोषी है सोचकर गुस्से में करीबन 12:00 बजे ग्राम ओरमा के शिव मंदिर में मूर्ति खंडित कर तालाब में फेंक दिया एवं मनोज निषाद के साथ पूर्व में हुए विवाद की गुस्सा से मनोज निषाद के चार नग सायकल को तालाब में फेंक दिया।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र मामले में बढ़ी सख्ती, विकास लाटा की दिव्यांगता की होगी जांच

छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ ने जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के सहारे आरक्षित पद पर नौकरी पाने वालों पर अब शिकंजा कसना शुरू हो गया है। इसी कड़ी में विकास लाटा की दिव्यांगता को लेकर उठे सवालों के बाद अब उनकी जांच राज्य मेडिकल बोर्ड से कराए जाने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ ने मंगलवार को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसे तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल को सौंपा गया।

छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ ने ज्ञापन में स्पष्ट किया कि विकास लाटा नामक शिक्षक के पास दो अलग-अलग दिव्यांगता प्रमाण पत्र हैं, जबकि वह वास्तविक रूप से दिव्यांग नहीं हैं। इस मुद्दे पर पिछले एक साल से लगातार शिकायतें की जा रही हैं, बावजूद इसके अब तक उनकी दिव्यांगता की जांच नहीं कराई गई। इससे दिव्यांग समाज में आक्रोश व्याप्त है।

बिना जांच के बहाल करने पर डीईओ पर उठे सवाल : पूर्व में छत्तीसगढ़ पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल की शिकायत पर विकास लाटा को निलंबित किया गया था। लेकिन हाल ही में नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल द्वारा उन्हें बिना किसी जांच के पुन: बहाल कर दिया गया, जिससे दिव्यांग संघ ने नाराजगी जताई है।

बाक्स...

20 अगस्त तक जांच कराने का आश्वासन : दिव्यांग संघ की मांग के बाद डीईओ प्रवास सिंह बघेल ने आश्वासन दिया है कि विकास लाटा की दिव्यांगता की जांच 20 अगस्त तक राज्य मेडिकल बोर्ड से कराई जाएगी। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो दिव्यांग संघ ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

डीईओ कार्यालय पर उठे सवाल : छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ का कहना है कि जब एक वर्ष से विकास लाटा की दिव्यांगता को लेकर शिकायतें हो रही थीं, तब उन्हें बिना जांच के बहाल करना विभागीय लापरवाही का संकेत है। इस पूरे मामले से डीईओ कार्यालय अब कटघरे में आ गया है।

छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे सभी फर्जी प्रमाण पत्रधारी कर्मचारियों की जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि वास्तविक दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा हो सके।

खबर-खास

चरडोंगरी में सुनी मन की बात

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 जुलाई रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 124 वें एपिसोड को संबोधित किया। हर एपिसोड की तरह कुछ अलग अलग विषयों पर बात कही गई। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला की वापसी को गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों में भी विज्ञान, अंतरिक्ष को लेकर एक नई जिज्ञासा पैदा हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में, चाहे वह खेल हो, विज्ञान हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर मन की बात आकाशवाणी रेडियो से प्रसारण को सुनने के लिए जय छत्तीसगढ़ रेडियो श्रोता संघ चरडोंगरी. द्वारा जनता के साथ कार्यक्रम सुनने के पहले पंचायत भवन के पास जामुन का पौधा लगाया गया। सरपंच पति देवन्तिन पवन साहू, रेडियो वाले कका मितान दुर्गाराम साहू, पूर्व जनपद सदस्य सरिता दुपेश्वर साहू, नंदकुमार शर्मा, ईश्वर साहू, रोहित कुमार साहू, विशेष रूप से उपस्थित थे।

भरे बरसात में पानी को तरसते वार्डवासी, समाधान शिविर में शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं

गरियाबंद (समय दर्श न)। भीषण गर्मी के दिनों में लोगो को पानी की परेशानी होना तो समझ में आता है,लेकिन गरियाबंद जिला मुख्यालय का एक वार्ड जो भरे बरसात के दिनों में पानी के लिए तरस रहा है,वही इस समस्या से निजात पाने समाधान शिविर सहित जिला प्रशासन को वार्ड वासी आवेदन देकर पानी की मांग किए लेकिन अब तक इस समस्या से वार्ड वासी मुक्त नहीं हुए है। ज्ञात हो कि स्थानीय वार्ड नंबर आठ में बीते एक वर्ष से पानी की समस्या चल रही है।इस समस्या को लेकर वार्ड निवासी उस वार्ड के पार्षद सहित नगरपालिका सीएमओ को ज्ञापन सौंप चुके है,उस वार्ड पानी सप्लाई के लिए कार्य तो प्रारंभ किया गया,उसके लिए गड्ढे भी खोदा गया है लेकिन आज दिवस तक न ही उसमें नल पाइप डाला गया और न ही सड़क को ही बराबर किया गया है।इस समस्या को लेकर समाधान शिविर में भी वार्ड वासियों के द्वारा आवेदन दिया गया है लेकिन कोई उचित परिणाम नहीं निकाला गया।वही इस समस्या को लेकर सी एम ओ नगरपालिका संध्या वर्मा से बात करने पर उन्होंने कहा आवेदन देखकर बताती हु

नए सिरे से कांग्रेस कमेटी का होगा गठन, प्रभारी ने शहर कांग्रेस की बैठक लेकर तय किए नाम

गरियाबंद (समय दर्श न)। पीसीसी ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की दिशा में नए सिरे से जवाबदेही तय करने जा रही है।इसके लिए पीसीसी द्वारा बनाए गए शहर कांग्रेस प्रभारी संजय नेताम ने आज शहर कांग्रेस का बैठक लिया।सेक्टरों को मंडल में परिवर्तित करने रूपरेखा बनाया गया।शहर में मौजूद 10 बूथों को दो सेक्टर में बांटा गया,और 2 सेक्टर मिला कर एक मंडल बनाया जा रहा है।भाजपा संगठन संरचना के तर्ज पर गठित मंडल में समन्वय स्थापित कर जवाबदारी तय किया जाएगा।पहले एक सेक्टर था,अब दो सेक्टर बनाया गया ताकि ज्यादा से ज्यादा चेहरे को पद भार देकर संगठन में बेहतर समन्वय बनाया जा सके।शहर प्रभारी संजय नेताम की मौजूदगी में आज बैठक में उन जवाबदारों के नाम पर भी राय सुमारी किया गया।तय नामों की सूची प्रभारी द्वारा कल जिला प्रभारी धनेन्द्र साहू को सौंपा जायेगा।अंतिम मुहर पीसीसी से लगेगी। बैठक में पार्षद छगन यादव,वरिष्ठ नेता राजेश साहू,मुकेश रामटेक,योगेश बघेल, अवध राम यादव,प्रतिभा पटेल,मुकेश भोई,सविता गिरी,गुरनुर कुकरेजा,सुमन देवांगन,प्रियांशु निराला,प्रेम यादव,टंकेश्वर, उत्तम यादव,ओम सोनी,डिलेश्वर देवांगन, रमेश मेश्राम,सन्नी मेमन,रमन सिंह,सेवाराम गुप्ता,खोवा लाल सिन्हा,सुरजीत कुटारे, मुकेश पांडेय,अंजोर ध्रुव,पार्वती ध्रुव,गणेश राम समेत अन्य कांग्रेसी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री साय, विस अध्यक्ष सिंह, उपमुख्यमंत्री शर्मा व साव ने भोरमदेव में हजारों शिव भक्तों का पुष्प वर्षा से स्वागत किया

कवर्धा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा व अरुण साव ने सावन के तीसरे सोमवार को छत्तीसगढ़ के प्राचीन, पुरातात्विक, धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के धरोधर भोरमदेव मंदिर में सैकड़ों किलो मीटर की पदयात्रा कर जलाभिषेक करने पहुंचे हजारों कावड़ियों पर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर उनका भव्य स्वागत अभिनंदन किया। उन्होंने हर-हर महादेव और बोलबम के जयघोष के साथ हजारों शिवभवक्तों से आत्मीयतापूर्ण मिले। बाबा भोरमदेव मंदिर परिसर श्रद्धा, भक्ति के अद्भुत दृश्य ने श्रद्धालुओं को उत्साहित किया और पूरा परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा।

भोरमदेव मंदिर परिसर में लगातार दूसरे वर्ष मुख्यमंत्री स्वयं श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा से स्वागत कर रहे हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा और श्री साव के साथ भोरमदेव बाबा भगवान शिव जी का दर्शन कर मंत्रोच्चारण के साथ विशेष पूजा-अर्चना और रुद्राभिषेक किया तथा प्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की और आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शिव भक्तों से कहा कि आज सावन के तीसरे सोमवार को बाबा भोरमदेव की पावन धरती पर आकर शिवभक्तों के साथ जुड़ना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य और गर्व का विषय है। हजारों श्रद्धालु सैकड़ों किलोमीटर की पदयात्रा कर भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने यहां पहुंचे हैं, यह हमारी आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की जीवंत मिसाल है। यहां पहुंचकर मैं भगवान भोलेनाथ से प्रदेश के सभी लोगो की सुख शांति समृद्धि के लिए कामना किया हूं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अमरकंटक से 151 किलोमीटर पदयात्रा कर भोरमदेव मंदिर में जलाभिषेक करने वाली पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा को भगवा वस्त्र और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत भोरमदेव कॉरिडोर विकास के लिए 146 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना न सिर्फ मंदिर परिसर का कायाकल्प करेगी, बल्कि आसपास के धार्मिक और पर्यटन स्थलों को भी जोड़कर एक समग्र आध्यात्मिक अनुभव देगी। इसमें पुरातत्व महत्व के स्थल मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुवा से लेकर सरोदा जलाशय तक पर्यटन कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ से अमरकंटक जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मध्यप्रदेश के अनुपपुर में 5 एकड़ भूमि आबंटित की प्रक्रिया जारी है, जहाँ श्रद्धालु के लिए एक भव्य भवन बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज हेलीकॉप्टर से भोरमदेव मंदिर में पुष्पवर्षा भी किए है। उन्होंने सावन मास के लिए सभी भक्तजनों को शुभकामनाएं दी। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी सहित जनप्रतिनिधियों ने भी भोरमदेव बाबा भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

नागपंचमी पर भोले के दर पर बालभक्तों ने अर्पित की आस्था,कांवड़ यात्रा में दिखा नन्हे कदमों का बड़ा समर्पण,धार्मिक शिक्षा के साथ संस्कारों की पवित्र प्रस्तुति

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर में आज नागपंचमी के पावन अवसर पर आध्यात्म और संस्कार का अनुपम संगम देखने को मिला।नगर के प्रतिष्ठित शिशु वाटिका विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भगवान भोलेनाथ की कांवड़ यात्रा निकाली।ये आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि सनातन संस्कृति की भावी पीढ़ी में रोपण का प्रेरक प्रयास था।

शिवभक्ति में रंगी बाल कांवड़ यात्रा,,,,,- विद्यालय के बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में सजकर अपने छोटे-छोटे कंधों पर कांवड़ उठाई और बोल बम के जयकारों के साथ स्कूल से तहसील कार्यालय परिसर स्थित भोलेनाथ मंदिर तक यात्रा निकाली। रास्ते भर बच्चों ने भोलेनाथ की स्तुति गाई और शिव-पार्वती के चित्रों

के साथ भक्तिमय झांकियाँ भी प्रस्तुत कीं।

यात्रा का नेतृत्व विद्यालय के दीदी कर रहे थे उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में ईश्वर के प्रति आस्था तो जागती ही है,साथ ही भारतीय संस्कृति और परंपरा की गहराई से समझ भी विकसित होती है।

तहसील कार्यालय परिसर में पूजनअर्चन,,,,,भोलेबाबा के मंदिर में पहुँचकर बच्चों, शिक्षकों और समिति सदस्यों ने विधिवत पूजन-अर्चन किया। वैदिक मंत्रोच्चार और फूलों से सजी थालियों के साथ भगवान शिव को जलाभिषेक अर्पित किया गया। बालभक्तों ने हाथ जोड़कर भोलेनाथ से आशीर्वाद मांगा और देश-दुनिया की सुख-शांति की कामना की।

इस अवसर पर भूतेश्वर नाथ बाल संस्कार समिति के अध्यक्ष लोकनाथ साहू, उपाध्यक्ष ताकेश्वरी (तनु) साहू,विद्यालय के आचार्यगण,शिक्षिकाएं (दीदी),आया दीदी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। सभी ने बच्चों की शिवभक्ति और आयोजन की सादगीपूर्ण गरिमा की सराहना की।

बाल संस्कार समिति के अध्यक्ष लोकनाथ साहू ने अपने उद्बोधन में कहा:

बालमन में भक्ति और संस्कार का बीज जितना जल्दी बोया जाए, उतना ही समाज का भविष्य उज्जवल होता है।

भोलेनाथ की भक्ति बच्चों को अनुशासन, श्रद्धा और सेवा भाव सिखाती है।

गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर होगा सम्मान समारोह एवं विविध आयोजन

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले के प्रतिष्ठित आध्यात्मिक स्थल जहां विश्व का एक मात्र सवा लाख ज्योतिर्लिंग मंदिर बन रहा है , सपाद लक्षेश्वर धाम, सलधा में आगामी 31 जुलाई 2025, गुरुवार को जिला स्तरीय गोस्वामी तुलसीदास जन्मोत्सव एवं अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया जायेगा। यह आयोजन सपाद लक्षेश्वरधाम के सानिध्य और मां भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा के तत्वावधान में तथा दीपेश साहू (विधायक, बेमेतरा), ईश्वर साहू (विधायक, साजा), कल्पना योगेश तिवारी (अध्यक्ष, जिला पंचायत बेमेतरा) व विभिन्न मानस संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं संतगण के आतिथ्य में संपन्न होगा, जिसमें जिले भर से मानस प्रेमियों, रामकथा प्रवक्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता अपेक्षित है। आयोजन का उद्देश्य गोस्वामी तुलसीदास जी की साहित्यिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को जन-जन तक पहुँचाना है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 10 बजे दीप प्रज्वलन के साथ होगी, तत्पश्चात हनुमान चालीसा एवं राम नाम संकीर्तन की संगीतमय प्रस्तुतियाँ होंगी। इस अवसर पर जिले के 10 श्रेष्ठ मानस पथिकों को मानस पुंज कला रत्न सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। जिला मिडिया प्रभारी लोकेंद्र पप्पू सेन ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि इस दिन चयनित मानस मंडलियों की प्रस्तुति एवं विशेष रूप से अंचल की सुप्रसिद्ध गायिका आरू साहू द्वारा श्रीराम नाम संकीर्तन की प्रस्तुति होगी।

नाम परिवर्तन

मैं, बलराम साहू, आयु 41 वर्ष, पिता स्व. श्री धनूराम साहू, निवासी ग्राम पंडरभट्ठा, तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूँ:-

01. यह कि, मैं अपने पुत्र डिकेश्वर साहू का जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किया हूँ जिसमें उसका नाम डिकेश्वर साहू दर्ज है।

02. यह कि, वर्तमान में मैं अपने पुत्र का नाम परिवर्तित कर उसका नाम दक्ष साहू रख लिया है तथा मेरा पुत्र अब इसी नाम से जाना, पहचाना, पुकारा एवं लिखा जाता है।

03. यह कि, मेरा पुत्र वर्तमान शिक्षा सत्र में कक्षा नवीं में विद्या अध्ययन कर रहा है, अत: मेरे पुत्र के शाला एवं शैक्षणिक अभिलेख में उसका नाम दक्ष साहू दर्ज / इन्द्राज किया जावे । इस संबंध में विद्यालय के जो भी नियम व शर्तें होगी, वह मुझे मान्य है। अत: यह शपथ-पत्र सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने निष्पादित कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

पंडरिया विधायक भावना बोहरा और कांवड़ियों का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विस अध्यक्ष डॉ.रमन एवं दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने किया अभिनंदन, हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के खजुराहो के नाम से प्रसिद्ध तीर्थस्थल भोरमदेव मंदिर में सावन माह के तीसरे सोमवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा और पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने मंदिर में जलाभिषेक करने पधारे कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया जिससे पूरे क्षेत्र में एक अद्भुत और अलौकिक दृश्य देखने को मिला। श्रद्धालुओं पर गेंदे और गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की गई जिससे उत्साहित सभी शिवभक्तों द्वारा बोल बम के जयकारों और हर-हर महादेव की गूंज से वातावरण शिवमय हो गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री जी, विधानसभा अध्यक्ष जी और द्वय उप मुख्यमंत्री जी ने पंडरिया विधायक भावना बोहरा जी द्वारा छत्तीसगढ़ की खुशहाली और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि हेतु माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा करने हेतु उनका अभिनंदन किया। श्रद्धालुओं ने इस अनूठी पुष्पवर्षा को अद्वितीय अनुभव बताया और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार की इस पहल की सराहना की।भोरमदेव में शिवभक्ति और जनसहभागिता का यह अद्भुत संगम लंबे समय तक लोगों के मन में बसा रहेगा। इस अवसर पर भक्तों का भारी हुजूम मंदिर और उसके आसपास के इलाकों में देखा गया। भगवा वस्त्रों में सजे कांवड़ियों के जत्थे ने पूरे क्षेत्र को भक्ति और श्रद्धा से भर दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आस्था, परंपरा और विरासत के सम्मान और संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। उसी क्रम में अटूट श्रद्धा और समर्पण की प्रतीक, पावन कांवड़-यात्रा के सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक

संचालन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि भोरमदेव तीर्थ स्थल के संरक्षण एवं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु 146 करोड़ से भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है, जिससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों के लिए नई सुविधाओं का निर्माण होगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन ने कहा कि भगवान शिव के प्रति लोगों की अटूट आस्था और भक्ति देखकर मन प्रसन्न हैं। कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा एक ऐतिहासिक क्षण है, हमें खुशी है कि हम इस आयोजन का हिस्सा बने।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि आज इन श्रद्धालुओं और कांवड़ियों पर पर जब पुष्प वर्षा हो रही थी, तो ऐसा लग रहा था जैसे स्वयं प्रकृति भारत की सनातन आस्था और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नमन कर रही हो। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि लोक-मंगल के ध्येय से परिपूर्ण कांवड़ यात्रा सुगमता से पूर्ण हो, शिवभक्तों और आमजन को कोई असुविधा न हो,यह हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज कांवड़ यात्रियों और शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा कर उनकी सेवा एवं स्वागत करने का सौभाग्य मिलना स्वयं भगवान भोलेनाथ की सेवा करने का अवसर है। यह अलौकिक दृश्य सनातन संस्कृति के प्रति सजगता व समर्पणता का परिदृश्य है। कांवड़ यात्रा, जो वर्षों से श्रद्धा का प्रतीक रही है, आज एक नए गौरव के साथ आगे बढ़ रही है।कांवड़ यात्रा सेवा, समर्पण और शिव भक्ति का अनुपम पर्व। इस वर्ष मुझे भी यह सौभाग्य मिला कि और कल ही माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा हमने पूर्ण की और भगवान भोलेनाथ से छत्तीसगढ़ वासियों की सुख-समृद्धि एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही हमारी इस यात्रा के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी, विधानसभा अध्यक्ष जी, उप मुख्यमंत्री जी द्वारा अभिनंदन करने हेतु मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

उन्होंने आगे कहा कि मैं माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, विधानसभा अध्यक्ष माननीय डॉ. रमन सिंह जी, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी, श्री विजय शर्मा जी का हार्दिक अभिनंदन करती हूँ कि हमारे कांवड़ यात्रियों और शिवभक्तों की आस्था और सनातन संस्कृति के इस महापर्व में यह सराहनीय प्रयास किया है। आज इन श्रद्धालुओं और कांवड़ियों पर पर जब पुष्प वर्षा हो रही थी, तो ऐसा लग रहा था जैसे स्वयं प्रकृति भारत की सनातन आस्था और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नमन कर रही हो।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PUBLIC WORKS DEPARTMENT, DURG CIRCLE DURG (C.G.)

Durg Dated: 18.07.2025

e-Procurement Tender Notice
(1st Call)

Online tenders in form "A" percentage rate basis are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh dated 07-08-2025 :-

NIT No.	Name of work	P.A.C. (Rs. In lacs.)
140/Durg (Khairagarh)/2025	Construction of Additional Rooms in First Floor of VVIP Guest House at Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya Khairagarh i/c water supply and sanitary fittings.	45.98
141 Durg (Khairagarh)/2025	CONSTRUCTION PROPOSED 50 BEDED HOSTEL BUILDING FOR PVTG STUDENT FOR HIGH SCHOOL KOPRO DISTT. KHAIRAGARH-CHHUIKHADAN-GANDAI WITH ELECTRIFICATION WORK	126.27
142/Durg (Khairagarh)/2025	Renovation work of Atmanand English Medium School at Khairagarh	24.73
143/Durg (Khairagarh)/2025	Construction of Additional Rooms in First Floor for Old Guest House at Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya Khairagarh i/c water supply and sanitary fittings.	10.79
144/Durg (Khairagarh)/2025	Construction of First Floor of Painting Faculty at Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya Khairagarh	67.13
145/Durg (Khairagarh)/2025	PROPOSED 50 BEDED HOSTEL BUILDING FOR PVTG STUDENT FOR HIGH SCHOOL KUMHARWADA DISTT. KHAIRAGARH-CHHUIKHADAN-GANDAI WITH ELECTRIFICATION WORK	126.27
146/Durg (Bemetara)/2025	Construction of Nagar Sahu Samaj Bhawan at Bemetara	18.22
147/Durg (Bemetara)/2025	Construction of Chhatriya Samaj Bhawan Gunarbod Bemetara	13.63
148/Durg (Bemetara)/2025	Construction of Jila Sahu Samaj Bhawan at Bemetara	27.27
149/Durg (Kawardha.)/2025	JUNCTION IMPROVEMENT & PROVIDING CRASH BARRIER ON STATE HIGHWAY (AS PER IRC SPECIFICATION) UNDER-KAWARDHA DIVISION KAWARDHA)	43.95

Note :-
1- General Conditions, detailed NIT, Tender documents & other information of the above construction work downloaded from the Eprocurement web portal or departmental website http://eproc.cgstate.gov.in.
2- NIT No. & Name of the Work should be essentially mentioned on the envelope through the Registerd Post/Speed Post in this office.

Superintending Engineer
P.W.D., Durg Circle Durg (C.G.)
Tel. 0788-2210876

G-252602404/3

एक राखी सैनिक भाई के नाम

■ वि. खं. स्का.गा.संघ बसना ने बनाकर भेजे 480 राखियाँ

बसना (समय दर्शन)। कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव के आदेशानुसार एवं राज्य सचिव कैलाश सोनी के निर्देशानुसार एक राखी सैनिक भाई के नाम अभियान के तहत विकासखंड स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला, बी.आर.सी. सी. बद्रीविशाल जोल्हे, अध्यक्ष शीत गुप्ता एवं उपाध्यक्ष गण राजेश वाधवा, मोहित पटेल, कामेश बंजारा, श्रीमती मंजीत कौर, डॉ. अरुणा अग्रवाल, श्रीमती लोचना गिरीश गजेन्द्र एवं विकासखंड सचिव डॉ. विवेकानन्द दास, गिरीश पाढ़ी, डॉ. पूर्णानन्द मिश्रा के दिशानिर्देश तथा विकासखंड के समस्त प्राचार्य गण एवं स्काउटर- गाइडर के पूर्ण सहयोग से विकासखंड स्काउट गाइड संघ बसना ने अपने-अपने विद्यालय के स्काउट्स एवं गाइड्स के द्वारा अपने हाथों से कुल 480 राखियाँ जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त (स्काउट) महासमुन्द विजय कुमार लहरे, जिला संगठन आयुक्त (स्का.) अवधेश विश्वकर्मा, जिला संगठन आयुक्त (गाइड) लीनु चन्द्राकर तथा जिला सचिव प्रमोद कन्नौजे को विकासखंड स्काउटर वारिश कुमार द्वारा जिला स्काउट्स एवं गाइड्स प्रशिक्षण केन्द्र महासमुन्द में सौंपा गया। इस महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण कार्य को संपन्न करने के लिए विशेषकर प्राचार्यगण एन.के.पंडा, प्रेमानन्द भोई, चक्रधर पटेल, बिजय दास, प्रदीप कुमार चौधरी, चक्रधर चौधरी, टिकेश्वर पटेल, स्काउटर कृष्ण कुमार नायक, रेखराम पटेल, टेकलाल पटेल, दिनेश बन्धु, रोहित शर्मा, सुशांत प्रधान, अरुण कुमार तांडी, एवं गाइडर कुसुम कोटक, ईश्वरी पोर्रे, रमाकांति दास, अन्नपूर्णा बुडेक, आशा गुप्ता, अहिल्या नायक, कविता पटेल, बागेश्वरी धृतलहरे, राधा देवांगन, उमावती अग्रवाल, प्रियंका देवता, श्वेता वैष्णव, मिली इशार का योगदान रहा।

संक्षिप्त-खबर

कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल में मनाया हरेली तिहार

पाटन (समय दर्शन)। कृष्ण किड्स वर्ल्ड स्कूल पाटन में हरेली तिहार के अवसर पर विद्यालय में ' ग्रीन डे' का आयोजन किया गया, आज विद्यालय में कई मनोरंजक और शिक्षाप्रद गतिविधियां आयोजित की गई। पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चों को देखा पारंपरिक लोकगीत कक्षा पांचवी कि त्रिशा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। कक्षा छठवीं की छात्रा दिव्यंका के द्वारा भाषण दिया गया। एवं कक्षा छठवीं ,सातवीं ,आठवीं, के छात्राएं द्वारा हरेली नृत्य का मनमोहक प्रस्तुतीकरण किया गया।। छात्रों द्वारा गेड़ी नृत्य का भी मन को मोहित किया गया ।इस कड़ी में प्राचार्य मयंक सर द्वारा बच्चों के प्रेरणादायक भाषण बच्चों को संबोधित किया गया। उप प्राचार्य श्रीमती यामिनी द्वारा अनमोल वचन वह इस पर्व के महत्व को बच्चों के साथ साझा किया गया। हरेली त्यौहार की शुभकामनाएं दिए व इंदु द्वारा बच्चों को शिक्षाप्रद वाचन किए गए।। शाला के नन्हें - मुन्हें बालक ,बालिकाएं द्वारा पारंपरिक वेशभूषा से सारा विद्यालय हरियाली की छटा बिखेरती नजर आए ,इस अवसर पर कक्षा बार वृक्षारोपण का आयोजन भी किया गया व इस त्यौहार का महत्व बच्चों से साझा किया गया। इस अवसर पर शाला के प्राचार्य मयंक जी व उप प्राचार्य श्रीमती यामिनी मैम जी, लक्ष्मी यादव मैम,इंदु मैम,श्री सोनी मैम, जीना साहू मैम, मनीषा मैम, उपासना मैम, खुशबू मैम, प्रियंका मैम, सावित्री मैम, किरण मैम,राजेश्वरी मैम, भूमिका मैम, वंदना मैम, दीप्ति मैम, मीणा मैम एवं देवेंद्र सर जितेंद्र सर राजकुमार सर एवं शाला परिवार का गरिमामय उपस्थिति के साथ मनाया गया।

कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल के बच्चे पहुंचे थाने

पाटन (समय दर्शन)। कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल पाटन में बच्चों को थाना विजिट कराया गया। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को पुलिस स्टेशन के कामकाज और पुलिस की भूमिका के बारे में जानकारी दिया गया। बच्चों ने पाटन पुलिस थाना के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया, जैसे कि अपराध शाखा जांच कक्षा और लॉकअप ,उन्होंने पुलिस अधिकारियों से बात की और उनके काम के बारे में सीखा ,उन्होंने पुलिस वाहनों और उपकरणों को भी देखा। बच्चे थाना भ्रमण से बहुत उत्साहित थे और उन्होंने बहुत सारे सवाल पूछे, वे पुलिस स्टेशन के कामकाज को देखकर उत्साहित हुए । बच्चों को पुलिस स्टेशन और पुलिस के काम के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला । प्राचार्य मयंक सर ने मीडिया से साक्षात्कार किया और उन्होंने पुलिस स्टेशन से संबंधित अपनी जानकारी को साझा किया।

छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा के नतीजे घोषित

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा 2025 प्रथम एवं अवसर परीक्षा के परिणाम आज यहाँ कार्यालय छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड में जारी किये गये। अलताफअहमद , अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड ने परीक्षा परिणाम जारी किया। उन्होंने परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाऐं दीं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड के सचिव पी.पी.द्विवेदी, प्रभारी रजिस्ट्रार श्रीमती अखूतर खान, तौहीद खान, मोहम्मद उस्मानी, पाशी अली, छ.ग.मदरसा बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। हाईस्कूल पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा प्रथम अवसर में 81.94 प्रतिशत, तृतीय अवसर में 100 प्रतिशत, हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा प्रथम अवसर (कला संकाय)में 79, तृतीय अवसर में 50प्रतिशत, हायर सेकेण्डरी वाणिज्य संकाय में 69.23 प्रतिशत, हायर सेकेण्डरी विज्ञान संकाय में 78.38 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। परीक्षा परिणाम परीक्षार्थीगण छ.ग.मदरसा बोर्ड की वेब साइट www.cgmadarsaboard.in तथा लिंक https://cgmbresult.cgmadarsaboard.in/page/result पर देख सकते हैं।

जलाभिषेक के लिए सिरपुर में मंदिर परिसर से बस स्टैण्ड तक लग रही कतार

■ हजारों कांवरिए सिरपुर मे चढ़ा रहे जल

महासमुन्द (समय दर्शन)। सावन के तीसरे सोमवार को सिरपुर स्थित गंधेश्वर महादेव मे जलाभिषेक व पूजा -अर्चना के लिए मंदिर परिसर से सिरपुर बस स्टैंड तक लंबी कतार लगी। मंदिर ट्रस्ट ने हजारों से अधिक कांवरियों का स्वागत किया । जिले के विभिन्न स्थानों से जल लेकर यहाँ महादेव का जलाभिषेक करने पहुंचे रहे हैं । इनमें सभी आयु वर्ग के लोग शामिल हैं, पर युवाओं की संख्या अधिक है।

बता दें कि 11 जुलाई से शुरू सावन माह के बाद पहले और दूसरे सोमवार को सिरपुर के गंधेश्वर महादेव में जलाभिषेक करने सीमित संख्या में कांवरिए यहाँ पहुंचे थे। तीसरे सावन सोमवार को जलाभिषेक के लिए जिले के अनेक स्थानों से कांवरिए जल लेकर शनिवार को सिरपुर के लिए उपस्थित हुए । जिला मुख्यालय से लगे बम्हनी के पवित्र कुण्ड एवं अन्य पवित्र स्थान से कांवरिए जल लेकर सिरपुर के लिए उपस्थित हो रहे हैं । कांवरियों के लिए रास्ते के कई स्थानों में समिति की तरफ से भोजन प्रसादी की व्यवस्था और भजन संध्या का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी तरह तुमगांव का एक कांवरिया दंडवत प्रणाम करते हुए सिरपुर के लिए यात्रा की शुरूआत की । उन्होंने मौन व्रत रखा है, उनके साथ चल रह कांवरियों ने बताया कि भोलेनाथ को रिझाने वे दंडवत प्रणाम करते हुए कांवर यात्रा कर रहे हैं।

रविवार दोपहर बाद से ही सिरपुर में कांवरियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाता है। मंदिर ट्रस्ट द्वारा कांवरियों के रूकने की व्यवस्था जा रही है। वहीं महा आरती के बाद रविवार रात भंडारे में भोजन ग्रहण कर आराम करने के बाद आज अल सुबह महानदी में स्नान के बाद कांवड़ में जल लिए हजारों कांवरिए जलाभिषेक के लिए अपनी बारी का इंतजार करते देखे गये।

सिरपुर में पूरा परिसर कांवरियों से भर जा रहा है, यहाँ पहुंचे और मंदिर परिसर से सिरपुर बस स्टैण्ड तक कतार लगी रही है।

प्रगतिशील छ ग सतनामी समाज प्रतिनिधि मण्डल ने समाज प्रमुखों के साथ सामुहिक गिरौदपुरी दर्शन

गिरौदपुरी(समय दर्शन)। प्रगतिशील छ ग सतनामी समाज का विगत दिनों हुए निर्वाचन पश्चात नव निर्वाचित प्रतिनिधि मण्डल का भव्य शपथ ग्रहण मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उनके वरिष्ठ मंत्रियों एवं अन्य राज्यों से आये सतनामी समाज प्रमुखों की आतिथ्य में 27 जुलाई को रायपुर में सम्पन्न हुआ ।दूसरे दिन 28 जुलाई को सभी निर्वाचित पदाधिकारियों ने अनुसूचित जाति प्राधिकरण आयोग के उपाध्यक्ष एवं विधायक आरंग गुरू खुशवंत साहेब एवं अन्य राज्यों से आये विशेष अतिथियों के साथ गिरौदपुरी गुरूद्वारा में सामुहिक दर्शन कर मत्था टेका। छाता पहाड, पंचकुंडी जन्मस्थली आदि दर्शनीय स्थलों का दर्शन किये।गुरू खुशवंत साहेब ने एक पेंड माँ के नाम योजना के तहत गिरौदपुरी में पौध रोपण भी किये।मंडवा धर्मशाला का सभी ने अवलोकन किये एवं रात्रि विश्राम के साथ संगोष्ठी सम्पन्न हुआ । शपथ ग्रहण एवं गिरौदपुरी दर्शन में अन्य राज्य राजस्थान जोधपुर से अध्यक्ष महेंद्र सतनामी ,मणिलाल सतनामी, उड़ीसा से अध्यक्ष ज्योति लाल बंजारे ,उपाध्यक्ष सुरेश भारती, उत्तर प्रदेश कोटवा धाम से बाबा कमलेश दास, बिहार दरियागंज से संत बाबा गया दास, दिल्ली से जगजीवन खरे, मध्य प्रदेश भोपाल से किशन बंजारे, असम से अध्यक्ष मदन सतनामी, एवं मुंबई महाराष्ट्र से एच आर पटले अध्यक्ष मुम्बई सतनामी समाज एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ रहवासी संघ मुंबई ने छत्तीसगढ़ आकर समय प्रदान किये। इसके लिये प्रदेश सतनामी समाज की ओर से प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोशले नेआभार ब्यक्त किया । मौके पर महासचिव मोहन बंजारे,प्रदेश प्रवक्ता राजमहंत पी एल कोसरिया,सह सचिव दिनेश बंजारे,उपाध्यक्ष डा दिनेशलाल जांगडे रेशमलाल घृतलहरे,एस आर बाघे,श्याम टांडे कोषाध्यक्ष,कृषणा कोशले,मंडवा कार्यालय प्रमारी सांडे जी,महिला टीम से अध्यक्ष अंजलि बरमाल,उपाध्यक्ष सुशीला सोनवानी ,द्रोपती जोशी,अनिता कोशले सहित अनेको समाज के वरिष्ठ जन शामिल रहे। उक्त जानकारी राजमहंत पी के घृतलहरे ने दी है।

सायबर धोखाधड़ी के प्रति लोगों को सचेत करने चलाया जाएगा वित्तीय साक्षरता अभियान

■ लंबित प्रकारणों का तेजी से निराकरण के निर्देश,कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। सायबर अपराध व धोखाधड़ी तथा आर्थिक लेनदेन के प्रति लोगों को सतर्क करने वित्तीय साक्षरता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान आगामी 6 अगस्त से शुरु होगी जिसमें सरपंच एवं सचिवों को प्रशिक्षण दिया जाएगा जो गांवो में लोगों को जागरूक करेंगे। कलेक्टर दीपक सोनी ने मंगलवार को समय सीमा की बैठक में अभियान की तैयारी के लिए स्कूल शिक्षा, राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी को जरुरी निर्देश दिये।

कलेक्टर सोनी ने कहा कि वित्तीय साक्षरता अभियान के तहत हर माह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हेतु आवश्यक तैयारी करें। प्रशिक्षण हेतु सायबर एवं फाइनेशल एक्सपर्ट को भी आमंत्रित करें। उन्होंने न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समय सीमा में जवाब दावा प्रस्तुत करने कहा ताकि न्यायलय की अवमानना की स्थिति उत्पन्न न हो। इसके साथ ही लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें।

कलेक्टर ने खाद बीज़ भण्डारण एवं वितरण की समीक्षा करते हुए सभी समितियों में उर्वरक उपलब्ध कराने तथा उर्वरको की कालाबाजारी रोकने कृषि सेवा केंद्रों में संयुक्त टीम द्वारा लगातार जांच एवं छापेमारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी स्कूलों ने पाठ्य पुस्तक वितरण हेतु उच्च अधिकारियो से आवश्यक समन्वय करने तथा 1 अगस्त 2025 को आयोजित होने वाले अभिभावक शिक्षक बैठक में जिला अधिकारियो को भी मौजूद रहने के निर्देश दिये। इस बैठक में आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चों के अभिभावको को अवश्य शामिल करने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हांकित सभी 46 गांव में योजनाओं से शतप्रतिशत लोगों को लाभान्वित करने हेतु निरंतर शिविर आयोजित करने के निर्देश दिये। उन्होंने जर्जर आंगनबाडी भवन एवं स्कूलों में कक्षा संचालित न कर अन्य भवन में संचालित करने के निर्देश दिये। इस दौरान स्वामित्व योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, आधार सिडिंग,आयुष्मान कार्ड, जॉब कार्ड, धरती आबा अभियान, समय -सीमा के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई ।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल,अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गोते, मिथलेश डोंडे सहित एसडीएम, जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

पाटन के हाउसिंग बोर्ड कालोनी में अतिक्रमण का मामला, पुकरको भी तोड़ा, आवागमन में हो रही परेशानी, सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

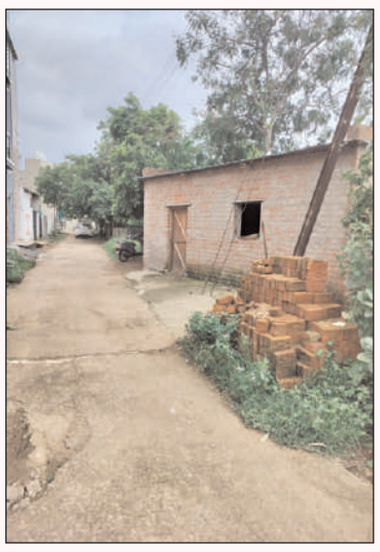

पाटन (समय दर्शन)। पंडित दिन दयाल हाउसिंग बोर्ड कालोनी में एक व्यक्ति द्वारा अतिक्रमण शेड निर्माण कर लिया है। इससे रास्ता काफी सकता हो गया है। वही सामने पुल था उसी भी तोड़ा दिया है जिससे कि चारपहिया वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही है। इसकी शिकायत करते हुए कॉलोनी के रहवासियों ने पाटन नगर पंचायत के सीएमओ को ज्ञापन सौंपा हैं साथ ही अतिक्रमण को हटाने की मांग किया है। ज्ञापन में बताया गया है कि एल आई जी 8 और 9 में रहने वाले व्यक्ति के द्वारा अपने आवास के पास शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पक्का शेड बनाकर गाय का पालन किया जा रहा है। इससे लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। ज्ञापन सौंपने वालो में दुर्गेश साहू, राजकुमार, कुलदीप, ममता, भगिनी मरकाम, प्रेमा साहू, अहिल्या वर्मा सहित अन्य शामिल है।

फर्जी एफ आई आर में फंसाए गए गौसेवकों की रिहाई हेतु सौंपा गया ज्ञापन

■ भारतीय गौ क्रांति मंच बेमेतरा द्वारा जिला प्रशासन को सौंपा गया ज्ञापन

बेमेतरा (समय दर्शन)। भारतीय गौ क्रांति मंच, जिला बेमेतरा के बैनर तले मंगलवार एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधीश बेमेतरा को एक ज्ञापन सौंपते हुए कवर्धा में गौसेवा एवं धर्म रक्षा में संलग्न युवाओं पर की गई कथित फर्जी एफ आई आर के विरोध में कड़ी आपत्ति जताई। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं एवं समर्पित गौसेवकों को तत्काल रिहा किया जाए और सिटी कोतवाली, कवर्धा के थाना प्रभारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए।

प्रतिनिधियों का कहना था कि गौमाता की रक्षा जैसे पवित्र कार्य में लगे युवाओं को बार-बार झूठे मुकदमों में फँसाया जाना न केवल अन्याय है, बल्कि प्रशासनिक पक्षपात और न्यायिक प्रणाली के दुरुपयोग का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि यह घटना समाज में भय और अविश्वास का वातावरण बना रही है, जो बेहद चिंताजनक है।

प्रमुख माँगें इस प्रकार हैं:

1. कवर्धा में फर्जी एफआई.आर. में फँसाए गए समस्त गौसेवकों एवं बजरंग दल कार्यकर्ताओं की अविलंब रिहाई।
2. उनके विरुद्ध दर्ज झूठी एफआई.आर. को रद्द किया जाए।
3. सिटी कोतवाली, कवर्धा के थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित किया जाए।
4. भविष्य में गौसेवकों को झूठे मामलों में न फँसाया जाए एवं दोषियों पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

यह ज्ञापन जिलाधीश बेमेतरा के माध्यम से भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को प्रेषित किया गया। इस अवसर पर शुभम सोनी, महामंत्री भारतीय गौ क्रांति मंच, ध्वज शर्मा जिलाध्यक्ष, ओमप्रकाश पाल महामंत्री, रोमन पाण्डेय, रमेश यादव, गौ रक्षा प्रमुख ओमप्रकाश कश्यप गौसेवक प्रमुख, हरीश चौहान, रूपेश सोनी, प्रयांक राजपूत, विजय सेन, राहुल यादव, मुखेन्द्र साहू तथा अन्य अनेक समर्पित गौसेवकगण उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26